मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार, 26 जुलाई 2026
संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 12 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 312 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ►► करियर में आगे बढने के लिए मदद कर सकते है एआई शॉर्ट टर्म कोर्स
मिर्जापुर : द फिल्म को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोली ◄◄ 6

न्यूज IN ब्रीफ

करंट से दो मवेशियों की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के डुमरी फिटिंगटांड गांव में शनिवार को बिजली विभाग की कथित लापरवाही से बड़ा हादसा हो गया। गांव के खुले मैदान में चर रही एक दुधारू गाय और एक बछिया 11 हजार वोल्ट विद्युत लाइन के पोल में प्रवाहित करंट की चपेट में आ गईं, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने पीड़ित पशुपालकों को शीघ्र मुआवजा देने और पूरे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। पीड़ित पशुपालकों ने बताया कि मृत दोनों मवेशियों की कीमत लगभग एक लाख रुपये थी। उन्होंने प्रशासन एवं बिजली विभाग से उचित मुआवजा देने की मांग की है।ग्रामीणों के मुताबिक 10 दिन पूर्व भी इसी गांव में सहदेव यादव की एक भैंस बिजली करंट की चपेट में आकर मर गई थी।

प्रखंड नाजीर की कार्यशैली से नाराज मनरेगा कर्मियों ने बीडीओ से की शिकायत

चतरा: लावालौंग प्रखंड कार्यालय में नव पदस्थापित नाजीर जुनैद ताज की कार्यशैली को लेकर मनरेगा कर्मियों में नाराजगी है।मामले को लेकर बीपीओ समेत सभी मनरेगा कर्मियों ने बीडीओ को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।आवेदन की प्रतिलिपि चतरा उपायुक्त और उप विकास आयुक्त को भी सौंपी गई है।मनरेगा कर्मियों का आरोप है कि प्रखंड नाजीर जुनैद ताज द्वारा उनकी हाजिरी गलत तरीके से काटी जा रही है। कर्मियों के अनुसार वे प्रखंड विकास पदाधिकारी के निर्देश पर क्षेत्र में एसआईआर से संबंधित कार्यों में लगे हुए हैं। इसके बावजूद उनकी उपस्थिति को लेकर कार्रवाई की जा रही है,जिससे उनमें रोष है। कर्मियों ने नाजीर पर वसूली करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बीडीओ से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही नाजीर जुनैद ताज का अविलंब स्थानांतरण करने की मांग करते हुए कहा है कि इससे प्रखंड में मनरेगा से जुड़े कार्यों का संचालन सुचारू रूप से हो सकेगा।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के अध्यक्ष बने भोला यादव

चतरा : लावालौंग प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के अध्यक्ष के रूप में भोला यादव का चयन किया गया है।अध्यक्ष बनने के बाद भोला यादव ने विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था और उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने की बात कही है।उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में वर्तमान में जो भी कमियां हैं,उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर काम किया जाएगा।भोला यादव ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद परिवारों की बच्चियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी।विशेष रूप से ऐसी बच्चियों की पहचान की जाएगी, जो आर्थिक या अन्य कारणों से पढ़ाई से वंचित हैं। उनके अभिभावकों को जागरूक कर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में नामांकन कराने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संचालित योजनाओं का लाभ पात्र बच्चियों तक पहुंचे,इस दिशा में भी पहल की जाएगी। विद्यालय की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखकर उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा।

राहुल गांधी की दोहरी नीति के विरोध में भाजपा ने फूंका पुतला

चतरा : संसद की कार्यवाही बाधित होने और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कथित दोहरी नीति के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं ने चतरा स्थित केसरी चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन कर उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में तख्तियां और पार्टी के झंडे थे। नेताओं ने कहा कि विपक्ष की नकारात्मक राजनीति के कारण सदन का कीमती समय नष्ट हो रहा है और देश के महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा प्रभावित हो रही है। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस का यही रवैया रहा, तो भाजपा सड़क से सदन तक उग्र आंदोलन करेगी।इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिला महामंत्री डॉ। मृत्युंजय सिंह, नगर अध्यक्ष संजय प्रजापति, ग्रामीण अध्यक्ष सुबोध सिंह, दिनेश गोप, पूर्व जिला अध्यक्ष नवीन साह, शिवकुमार चौबे, जितेंद्र पांडेय, अमित सिंह बब्लू और भवानी राय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रांची में 65 लाख की ज्वेलरी चोरी का खुलासा अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

भारी मात्रा में चांदी के जेवर बरामद

संवाददाता

रांची : बीआईटी मेसरा ओपी क्षेत्र स्थित कौशल्या कॉम्प्लेक्स के पीपी ज्वेलर्स में हुई लगभग 65 लाख रुपये के जेवरात और 6 हजार रुपये नकद की चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार करते हुए भारी मात्रा में चोरी के चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। मामले में पहले से गिरफ्तार तीन अन्य आरोपियों के साथ गिरोह के कुल पांच सदस्यों की संलिप्तता सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, 10 जून 2026 की रात अज्ञात अपराधियों ने बीआईटी मेसरा स्थित पीपी ज्वेलर्स का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी की चोरी कर ली थी। जांच के दौरान 24 जुलाई 2026 को तोरपा थाना खूंटी से सूचना मिली कि इस चोरी में शामिल गिरोह के सदस्य पूर्वी सिंहभूम जिले में छिपे हुए हैं और रांची और पूर्वी सिंहभूम में फिर से बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (सदर) संजीव कुमार बेसरा के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। सुंदरनगर थाना पुलिस के सहयोग से पुलिस ने सुंदरनगर स्थित एक घर में छापेमारी कर अमित कुमार सिंह उर्फ अमित कुमार सिंगारी को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने भुईयाडीह निवासी रजनीश लाल को भी गिरफ्तार कर लिया। रजनीश लाल की निशानदेही पर मानगो स्थित मनसा ज्वेलर्स से चोरी के जेवर बरामद किए गए, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रांची और पूर्वी सिंहभूम के विभिन्न मकानों और ज्वेलरी दुकानों में चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दिया। आरोपियों ने यह भी कबूल किया कि मार्च, अप्रैल और जून के दौरान ओरमांझी थाना और बीआईटी मेसरा क्षेत्र की ज्वेलरी दुकानों से लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर उनकी खरीद-बिक्री की गई थी।

इस मामले में गिरोह के अन्य सदस्य बाबू पिल्लै, दीपक कुमार सिंह उर्फ कल्लू सरदार और मोहम्मद अफरोज को तोरपा थाना पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को भी न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से दो स्मार्टफोन के अलावा बड़ी संख्या में चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। इनमें पुरुष एवं महिला की अंगूठियां, लॉकेट, ताबीज, कान की बालियां, पायल, बिछिया, चेन, कड़े, बच्चों के आभूषण, ब्रासलेट, मेंहदी छल्ला, चरण पादुका सहित सैकड़ों चांदी के आभूषण शामिल हैं।

रांची से अपहृत युवक को पुलिस ने सकुशल छुड़ाया, पांच आरोपी गिरफ्तार, बोलेरो जब्त

संवाददाता

रांची/रामगढ़ : रांची से कथित रूप से अपहृत एक युवक को रामगढ़ जिले के कुजू क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल मुक्त करा लिया है। रांची पुलिस और कुजू पुलिस ने संयुक्त अभियान चला कर अपहरण में प्रयुक्त बोलेरो वाहन को जब्त कर लिया, जबकि पांच आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रांची पुलिस अपने साथ ले गई।

पुलिस के अनुसार रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र निवासी राजू साव का शनिवार को कथित तौर पर पुराने विवाद के चलते अपहरण कर लिया गया था।अपहरणकर्ता उन्हें बोलेरो वाहन से रामगढ़ जिले के घाटो ओपी क्षेत्र की ओर ले जा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही अरगोड़ा थाना एवं रांची सदर थाना की पुलिस सक्रिय हो गई और संदिग्ध वाहन का पीछा शुरू किया। साथ ही रामगढ़ जिले की कुजू पुलिस को भी तत्काल सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कुजू पुलिस ने नया मोड़ फोरलेन पर घेराबंदी कर वाहनों की नया मोड़ फोरलेन पर घेराबंदी कर वाहनों की निगरानी शुरू कर दी।

कुछ ही देर बाद संदिग्ध बोलेरो वहां पहुंची, जिसे रांची पुलिस ने कुजू पुलिस के सहयोग से रोक लिया। वाहन की तलाशी के दौरान अपहृत युवक को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। मौके से बोलेरो वाहन को जब्त कर पांच संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को पूछताछ और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए रांची पुलिस के हवाले कर दिया गया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और इसी कारण आरोपियों की पहचान तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां सार्वजनिक नहीं की गई हैं।

रांची सदर अस्पताल में मिलेगी बेहतर ब्लड बैंक की सुविधा, सरकार ने जारी किया फंड

रांची : रांची सदर अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को जल्द बेहतर ब्लड बैंक की सुविधा मिलेगी। झारखंड सरकार ने ब्लड बैंक की मरम्मत और उसे मजबूत बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 36 लाख 63 हजार 500 रुपये की मंजूरी दी गई है।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, ब्लड बैंक में मरम्मत और जरूरी सुधार का काम कराया जाएगा। इससे रक्त संग्रह और मरीजों को मिलने वाली सेवाएं पहले से बेहतर होने की उम्मीद है।

निर्माण कार्य भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता की देखरेख में ई-टेंडर के जरिए कराया जाएगा। सरकार ने साफ निर्देश दिया है कि पूरे काम में पारदर्शिता रखी जाए। इसलिए काम शुरू होने से पहले और पूरा होने के बाद फोटो और वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई जाएगी।

मरम्मत कार्य की निगरानी रांची के सिविल सर्जन करेंगे। उन्हें समय-समय पर काम की प्रगति की रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को भेजनी होगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि काम तय समय के भीतर पूरा हो।

फर्जी टीटीई बनकर यात्रियों से ठगी करने वाले गिरोह के चार गिरफ्तार

संवाददाता

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन रक्षक के तहत रांची रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए रेलवे अधिकारी और टीटीई बनकर यात्रियों से ठगी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से ठगी की नकद राशि, सात मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया है। बरामद मोबाइल में दो संदिग्ध चोरी के बताए जा रहे हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सभी आरोपियों को जीआरपी रांची के हवाले कर दिया गया है।

कन्फर्म टिकट दिलाने के नाम पर ठगीः आरपीएफ के अनुसार, 25 जुलाई 2026 को विश्वसनीय गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग रांची रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को कन्फर्म रेलवे टिकट दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठ रहे हैं। सूचना के आधार पर पीसी रांची के पर्यवेक्षण में स्टेशन परिसर में विशेष जांच और निगरानी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यूटीएस बुकिंग कार्यालय के पास दो संदिग्धों को पकड़ा गया। पूछताछ में उनकी पहचान महेश साहनी और चंदन कुमार के रूप में हुई।

इसी दौरान पीड़ित उमर साद खान ने आरपीएफ को बताया कि दोनों आरोपियों ने खुद को रेलवे अधिकारी और टीटीई बताकर कन्फर्म टिकट दिलाने का भरोसा दिया था। इसके एवज में उन्होंने उससे 2,000 रुपए ले लिए, लेकिन टिकट उपलब्ध नहीं कराया और मौके से भागने की कोशिश करने लगे। आरपीएफ ने दोनों को पकड़कर तलाशी ली, जिसमें ठगी की 2 हजार रुपए नकद राशि और कई मोबाइल फोन बरामद हुए।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के बारे में जानकारी दी। इसके आधार पर रेलवे स्टेशन परिसर से सीतल राय और संतोष साहनी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह कुल चार आरोपियों को दबोचा गया। उनके कब्जे से कुल सात मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनमें दो मोबाइल संदिग्ध चोरी के पाए गए हैं।

आरपीएफ की पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने गिरोह बनाकर रेलवे अधिकारी और टीटीई का रूप धारण किया था। वे यात्रियों को कन्फर्म टिकट दिलाने का झूठा भरोसा देकर उनसे पैसे ठगते थे। इसके अलावा उनके पास चोरी के मोबाइल फोन भी मिले हैं। प्रथम दृष्टया धोखाधड़ी, प्रतिरूपण (पसोर्नेशन), आपराधिक षड्यंत्र तथा संदिग्ध चोरी की संपत्ति रखने से संबंधित अपराध पाए जाने पर चारों आरोपियों, जब्त सामान और आवश्यक दस्तावेजों को अग्रिम कार्रवाई के लिए जीआरपी रांची को सौंप दिया गया।

जीआरपी ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2), 317(2), 318(4) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में आईपीएफ शिशुपाल कुमार, एसआई बसंत मलिक, एसआई पवन कुमार, एसआई कमल दास, एएसआई शक्ति सिंह तथा आरपीएफ के स्टाफ मुन्तज़िर अंसारी, अफरोज आलम और राजू गुरूंग शामिल रहे।

लावालौंग-पांकी समेत जर्जर सड़कों को लेकर बढ़ा रोष

प्रखंड कार्यालय में धरना 29 को

संवाददाता

चतराः लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के लावालौंग-पांकी मुख्य सड़क सहित विभिन्न जर्जर सड़कों का निर्माण व मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है।सड़कों की बदहाल स्थिति और लंबे समय से निर्माण की मांग को लेकर अब ग्रामीण आंदोलन की तैयारी में हैं।समाजसेवी शंकर साहू के नेतृत्व में बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के माध्यम से ग्रामीण सड़क निर्माण की दिशा में शीघ्र ठोस कार्रवाई की मांग करेंगे।ग्रामीणों का कहना है कि लावालौंग-पांकी सड़क सहित प्रखंड की कई महत्वपूर्ण सड़कें लंबे समय से बदहाल हैं।इससे आवागमन में परेशानी हो रही है।बरसात के दिनों में समस्या और बढ़ जाती है।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण व मरम्मत की मांग लगातार उठाए जाने के बावजूद धरातल पर अपेक्षित काम शुरू नहीं हुआ है।इधर, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल चतरा की ओर से 11 मई 2026 को जारी पत्र के अनुसार डीएमएफटी मद की वर्ष 2026-27 की योजनाओं में लावालौंग प्रखंड की 10

सड़कों के रखरखाव का प्रस्ताव शामिल है।इनमें हल्दीपुर मोड़ से कुकुरमरवा,बुलबुल मोड़ से बालाबाला मरछीबर,लावालौंग से सिलदाग,कटेली महुआ मोड़ से नवाडीह,मंधनियां से हरदीपुर, हरदीपुर से कोटारी,कोटारी से रिमी,कोलकोले से साम्हे वाया मड़वा से भुसाड़,भुसाड़ से बनवार तथा बनवार से सिलदाग वाया लोहरितरी सड़क शामिल हैं।पत्र में इन योजनाओं को तकनीकी स्वीकृति मिलने का उल्लेख है।समाजसेवी शंकर साहू ने कहा कि स्वीकृति के इतने दिन बाद भी सिर्फ ग्रामीणों को ठगने का काम किया गया है। अतः लावालौंग-पांकी मुख्य सड़क और अन्य सड़कों का काम जल्द शुरू कराने की मांग को लेकर बुधवार को प्रखंड कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।उन्होंने क्षेत्र के ग्रामीणों से प्रदर्शन में शामिल होकर सड़क निर्माण की मांग को मजबूती से उठाने की अपील की है।ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से स्वीकृत सड़कों की आगे की प्रक्रिया जल्द पूरी कर काम शुरू कराने तथा लावालौंग-पांकी मुख्य सड़क की समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Drinking Water & Sanitation Mechanical Division Hazaribag.

Very Short Notice Inviting e-quotation

Notice No. – 05 DWSD/HZB/MECH/QUOTATION/2026-27

Quotations through e-tender are invited for rates of items / materials annexed as Annexure-1 for framing estimate of Supply, Installation and commissioning of Pump set and other Electro-Mechanical Works from Reputed Manufacturers / authorized dealers having valid GSTIN of materials. The rates conforming to specifications shall be submitted online in the website Http://Jharkhandtenders.gov.in. Details of items /materials and its Specifications for Supply, Installation and commissioning of Pump set Works under D.W & S mechanical Division Hazaribag are available on the above e-tender portal. Terms and condition will be available in website. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate of materials online from 28.07.2026 at 13:00 hrs. to 03.08.2026 at 13:00 hrs. The quotation will be opened on 04.08.2026 at 13: 00 Hours.
The quotation is invited to ascertain and assess the Rate of items /materials at par with lowest market rate, so that it can be incorporated in framing of estimates for the required works under D.W&S Mechanical Division Hazaribag.

Address for Communication:-
Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Mechanical
Division Hazaribag
e- Mail ID:- dwsdhazmech2010@gmail.com

Executive Engineer
PR 385882 (Drinking Water and Sanitation) 26-27 (D) **DW&S, Mechanical Division Hazaribag**

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, रविवार, 26 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 12 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 312 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 करियर में आगे बढने के लिए मदद कर सकते है एआई शॉर्ट टर्म कोर्स

मिर्जापुर : द फिल्म को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोली 6

रांची में आज से डूरंड कप, सीएम करेंगे उद्घाटन

शौर्य-संस्कृति के संग फुटबॉल का महाकुंभ दिखेगी सेना और झारखड़ी संस्कृति

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में आज 135वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के रांची चरण का भव्य आगाज होगा। पहली बार इस प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा रांची शहर ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने जा रहा है। मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे।

समारोह में भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा के साथ झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। फ्लाईपास्ट, आर्मी बैंड, स्काई डाइविंग, खुकरी मार्शल आर्ट, भांगड़ा और पारंपरिक लोकनृत्य दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण होंगे, जिससे पूरा स्टेडियम देशभक्ति और उत्साह के रंग में रंगा नजर आएगा।

दोपहर 2 बजे से खुलेंगे गेट, शाम 5 बजे पहला मुकाबलाः आयोजकों के अनुसार दर्शकों के लिए स्टेडियम के गेट दोपहर 2:00 बजे से खोल दिए जाएंगे। दोनों टीमों का आगमन दोपहर

3:00 से 3:30 बजे के बीच होगा। इसके बाद 3:40 बजे से प्री-शो की शुरूआत होगी, जिसमें डूरंड कप पर आधारित विशेष ऑडियो-वीडियो प्रस्तुति दिखाई जाएगी। भारतीय नौसेना प्रमुख, सेना के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य विशिष्ट अतिथि 3:40 से 4:00 बजे के बीच स्टेडियम पहुंचेंगे।

शाम 4:00 से 4:35 बजे तक मुख्य उद्घाटन समारोह आयोजित होगा, जिसमें सेना के बैंड की प्रस्तुति, फ्लाईपास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति होगी। इसके बाद स्काई डाइविंग और ब्रास बैंड का प्रदर्शन समारोह का सबसे रोमांचक हिस्सा होगा। उद्घाटन कार्यक्रम के समापन के बाद शाम 5:00 बजे से टूर्नामेंट के रांची चरण का पहला मुकाबला खेला जाएगा।

जेएफसी और डिफेंडर्स एफसी के बीच पहला मैचः टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में जमशेदपुर एफसी और श्रीलंका की डिफेंडर्स एफसी आमने-सामने होंगी। दोनों टीमें रांची पहुंच चुकी हैं। मैच को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रांची में ग्रुप सी के मुकाबले खेले जाएंगे।

जिसमें जमशेदपुर एफसी, एससी दिल्ली, भारतीय वायुसेना फुटबॉल टीम और डिफेंडर्स एफसी शामिल हैं। फुटबॉल प्रेमियों के बीच इस मुकाबले को लेकर खासा उत्साह है। आयोजकों ने दर्शकों से अपील की है कि वे समय से पहले स्टेडियम पहुंचें ताकि उद्घाटन समारोह और मैच दोनों का पूरा आनंद ले सकें।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, कई चीजों पर रहेगा प्रतिबंधः स्टेडियम में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। आग्नेयास्त्र, चाकू, कटर, पटाखे, फ्लेयर्स, लाइटर, माचिस, बड़े बैग, बाहर का भोजन, पानी की बोतलें, कांच के कंटेनर, शराब, तंबाकू उत्पाद, ड्रोन, पेशेवर कैमरे, ट्राइपॉड, लैपटॉप और बड़े पावर बैंक लाने की

प्रह्लाद जोशी देश के नए शिक्षा मंत्री

नई दिल्लीः धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी फिलहाल प्रह्लाद जोशी को सौंपी गई है। प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति ने उन्हें उन्हें उनके मौजूदा मंत्रालयों के साथ शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया है।

राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, प्रह्लाद जोशी अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों के साथ शिक्षा मंत्रालय का काम भी संभालेंगे यानी फिलहाल उन्हें शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जबकि उनके मौजूदा विभाग पहले की तरह उनके पास ही रहेंगे।

मन की बात में प्रधानमंत्री ने कारगिल वीरों को किया नमन, गिनाईं डिफेंस सेक्टर की बड़ी उपलब्धियां

एजेंसी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में देशवासियों को कारगिल विजय दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह खास दिन हमें हमारे जवानों के हौसले, हिम्मत और उनकी कुर्बानी की याद दिलाता है। इसी जज्बे को सलाम करने के लिए इस बार एक खास 'शौर्य यात्रा' भी निकाली गई।

जवानों का मजबूत इरादाः पीएम मोदी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हम सभी को गर्व से भर देता है। कारगिल की ऊंची और कठिन पहाड़ियां हों, खराब मौसम हो या सामने से दुश्मन की चुनौती, हर मुश्किल हमारे जवानों के सामने खड़ी थी। लेकिन उनका इरादा हर मुसीबत से बहुत बड़ा था। उन्होंने भारत माता की रक्षा के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर दी। आज इस मौके पर मैं सभी शहीद और जांबाज सैनिकों को दिल से नमन करता हूं।

आत्मनिर्भर भारत की नई पहचान

: पीएम मोदी ने 'कैच द रेन' अभियान की तारीफ करते हुए कहा कि गांव और शहर, दोनों जगह लोगों ने इसमें

जमकर हिस्सा लिया। इसके बाद नौसेना की ताकत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। यह आधुनिक युद्धपोत पूरी तरह भारत में ही डिजाइन और बना है, जिसमें 75 प्रतिशत से ज्यादा सामान अपने देश का लगा है। यह आत्मनिर्भर भारत का एक बेहतरीन उदाहरण है।

डिफेंस सेक्टर में भारत की बड़ी कामयाबीः पीएम मोदी ने बताया कि इस महीने डीआरडीओ ने लंबी दूरी की 'पिनाका' गाइडेड रॉकेट और हाल ही में कुशा मिसाइल का सफल टेस्ट किया है। इसका श्रेय हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की कड़ी मेहनत को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि आज चाहे रक्षा सामान बनाना हो, उन्हें दूसरे देशों को बेचना हो या दोस्तों के साथ रिश्ते मजबूत करना हो, भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया दौरे के दौरान ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइल को लेकर एक बड़ी डील हुई है। आज पूरी दुनिया का भारत की टेक्नोलॉजी और रक्षा हथियारों पर भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

भरदुवा बंदूक से चली गोली, बुजुर्ग की मौत,आत्महत्या की आशंका

संवाददाता

पलामूः जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में भरठुवा बंदूक से गोली लगने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। उनकी पहचान नावाडीह हूटार निवासी श्यामलाल भुइयां के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि श्यामलाल भुइयां ने भरठुवा बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हालांकि घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है।जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 10 बजे रामगढ़ थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति को गोली लग गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल श्याम लाल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार गोली चलने से बंदूक दो भागों में बंट गयी। रामगढ़ थाना प्रभारी ओम प्रकाश शाह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आत्महत्या और अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। फिलहाल घटना के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही घटना के संबंध में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत, मुआवजे की मांग

बोकारो : राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 32 पर जरीडीह थाना क्षेत्र में एक ट्रक ने पीछे से बाइक सवार को टक्कर मार दी। इस घटना में बहादुरपुर निवासी 60 वर्षीय चंडी चरण ठाकुर की दर्दनाक मौत हो गयी। ट्रक को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

जारीडीह पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में चंडी चरण ठाकुर के भाई ने बताया कि उनके भाई बहादुरपुर में चाय पकौड़ी बेच कर अपने परिवार को पाल रहे थे।

मुखिया पुष्पा देवी ने जानकारी दी कि हादसे का शिकार परिवार अत्यंत गरीब परिवार है, बताया कि हम लोगों को थाना बुलाया गया था कि गाड़ी का मालिक आ रहा है लेकिन अबतक गाड़ी मालिक नहीं पहुंचा है। हम लोग मुआवजे की मांग कर रहे हैं, ताकि उनके परिवार को सहारा मिल सके।

'छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया?'

राहुल गांधी ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी में उठाए बड़े सवाल

एजेंसी

नई दिल्लीः लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए बल प्रयोग को लेकर जवाबदेही की मांग की है।

राहुल गांधी ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे लोगों की सुरक्षा करना और बातचीत के जरिए उनकी शिकायतों को दूर करना सरकार की ज़िम्मेदारी है।

उन्होंने पत्र में लिखा, हमारे छात्र एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। उनकी बात सुनने के बजाय, सुरक्षा बलों ने उन पर बल का इस्तेमाल

किया, जिसमें घातक हथियार और आँसू गैस भी शामिल थे। सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। महिला छात्रों पर भी पुलिसकर्मियों ने हमला किया है, जिसमें उनके निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाना भी शामिल है।

राहुल गांधी ने लिखा, सबसे चौंकाने वाली बात घातक पैलेट गन का इस्तेमाल है। मीडिया और सोशल मीडिया में आई खबरों में साफ दिख रहा है कि कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिसमें एक पत्रकार भी शामिल है। मैंने 19 साल के छात्र साहिल लोचाब से मुलाकात की, जो अब बहुत दर्द में हैं और उनकी एक आँख जाने की संभावना है, क्योंकि उन्हें पैलेट गन से गोली मारी गई थी। राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली में तैनात सुरक्षा बल गृह मंत्री को रिपोर्ट करते हैं। उन्होंने पत्र में दो सवाल पूछे, क्या गृह मंत्री के तौर पर आपने छात्रों के खिलाफ पैलेट गन समेत घातक बल के इस्तेमाल को मंजूरी दी थी? अगर नहीं, तो इसकी मंजूरी किसने दी? क्या सादे कपड़ों में छात्रों को लाठियों से पीटते हुए दिख रहे लोग पुलिसकर्मी हैं या स्वयंसेवक? उनकी तैनाती की मंजूरी किसने दी?

उन्होंने कहा, इस तरह की हिंसा हर नियम और मयार्दा को खत्म कर देती है और इससे पूरे देश में गुस्सा फैला है।

उन्होंने कहा कि देश का भविष्य माने जाने वाले युवा और छात्र जवाब और ज़िम्मेदारी तय करने की मांग कर रहे हैं और उनकी आवाज सुनी जाएगी।

कारगिल विजय दिवस पर पाक को कड़ा संदेश, राजनाथ सिंह बोले-

अब सिर्फ पीओके पर होगी बात, छोड़ना होगा अवैध कब्जा

एजेंसी

द्रास : कारगिल विजय दिवस के 27वें स्थापना दिवस के मौके पर द्रास स्थित युद्ध स्मारक पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने दो टूक शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान के साथ अब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के अलावा किसी भी अन्य मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं होगी। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान ने भारत की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है और उसे हर हाल में यह जमीन खाली करनी होगी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि इस अभियान ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकवाद को पनाह देने वालों और उसमें शामिल लोगों का क्या हश्र होता है।

भारत बनाता है डेटा सेंटर, पाकिस्तान बना रहा कट्टरपंथी

सेंटर : रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान की आतंकी नीतियों पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि आज भारत तेजी से विकास करते हुए आधुनिक डेटा सेंटर बना रहा है, जबकि पाकिस्तान अपनी जमीन पर केवल कट्टरपंथी सेंटर विकसित करने में लगा हुआ है। उन्होंने दुश्मन देश को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान की किसी भी गलत हरकत या दुस्साहस का ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, जिसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अपनी संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भारत माता के मुकुट में जड़े हीरे के समान है कारगिल विजय : कारगिल युद्ध के 27 वर्ष पूरे होने पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि 1999 की यह ऐतिहासिक विजय भारत माता के मुकुट में जड़े एक अनमोल हीरे के समान है। उन्होंने कहा कि बर्फ से ढकी ऊंची चोटियों पर विपरीत परिस्थितियों और दुश्मन की लगातार गोलीबारी के बावजूद हमारे जांबाज सैनिकों ने जो अदम्य साहस दिखाया, वह अविस्मरणीय है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आने वाली कई पीढ़ियां कारगिल के इन अमर नायकों की वीरता और बलिदान की गाथाओं से हमेशा प्रेरणा लेती रहेंगी।

हेलीकॉप्टरों से पुष्पवर्षा और शौर्य संध्या में परिजनों को सौंपा कलशः इससे पहले लद्दाख के उपराज्यपाल वीके। सक्सेना, थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और सेना के अन्य शीर्ष अधिकारियों ने युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। इस दौरान भारतीय सेना के तीन हेलीकॉप्टरों (एक उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर और दो चीतल) ने आसमान में एरोहेड (तीर के आकार) की संरचना में उड़ान भरते हुए युद्ध स्मारक पर भव्य पुष्पवर्षा की। शनिवार शाम को द्रास में भारी बारिश के बीच भारतीय सेना द्वारा शौर्य संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें रक्षा मंत्री ने हिस्सा लिया और कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले कुछ वीर सैनिकों के परिजनों को सम्मानपूर्वक प्रतीकात्मक कलश सौंपा।

हजारीबाग में हाईवा वाहनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग

'प्रिंस खान केएसएस' का पर्चा छोड़ फरार हुए अपराधी

संवाददाता

हजारीबागः पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना में कोयला परिवहन कार्य एक बार फिर अपराधियों के निशाने पर आ गया है। शनिवार देर रात करीब 11 बजे तेरह माइल से करीब 200 मीटर की दूरी पर पहले से घात लगाए अपराधियों ने दो हाईवा वाहनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की।

प्रिंस खान केएसएस लिखा पर्चा छोड़ फरार हुए अपराधीः वाहन चालकों के अनुसार, तीन अपराधियों ने 7 राउंड गोलियां चलाई और इसके बाद लोहे की रॉड से वाहनों के शीशे भी भी तोड़ दिए। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधियों ने मौके पर 'प्रिंस खान केएसएस' लिखा पर्चा छोड़ा और वहां से वे फरार हो गए। गोलीबारी की घटना के बाद सोशल मीडिया पर गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम से एक ऑडियो भी खूब तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें घटना की

जिम्मेदारी लेने सहित कई तरह के दावे किए जा रहे हैं।

डीसी-एसपी के दौरे के बाद भी अपराधियों ने दी चुनौतीः गौरतलब है कि शनिवार को ही उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड का दौरा किया था। इसके बावजूद देर रात अपराधियों ने वारदात को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे दी। इससे पहले 24 जुलाई की रात केरेडारी पुलिस ने प्रिंस गिरोह के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक अपराधी के पैर में गोली मारी थी, जबकि दूसरे को पिस्टल और बाइक के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बावजूद गिरोह की गतिविधियां थमती नजर नहीं आ रही है।

आपको समाज सेवा करने का मौका देता है फार्मासिस्ट करियर

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है।

अक्सर छात्र अपने करियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। क्योंकि मेहनत के साथ ही सही कोर्स का चुनाव करना भी जरूरी होता है। ऐसे में आप फार्मासिस्ट बन करने करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

फार्मासिस्ट बनकर आपको समाज की सेवा करने का भी मौका मिलता है। ऐसे में यदि आप भी फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं, तो इससे जुड़ी सभी डिटेल्स के बारे में आपको जानकारी होना जरूरी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स की सारी डिटेल्स बताने जा रहे हैं।

क्वालिफिकेशन

फार्मासिस्ट बनने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं है। छात्र को फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी या मैथ्स विषय से 12वीं पास होना चाहिए। 12वीं के बाद बैचलर ऑफ फॉर्मेसी की डिग्री हासिल करनी होगी। बी फार्मा का कोर्स 4 साल का होता है। वहीं आप चाहें तो मास्टर ऑफ फार्मेसी भी कर सकते हैं, यह दो साल का कोर्स होता है। इसमें पीएचडी का भी एक ऑप्शन होता है, पीएचडी कर आप शोध और शिक्षण के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

चयन प्रक्रिया

बी.फार्मा में एडमिशन के लिए अधिकतम राज्यों और विश्वविद्यालयों द्वारा एंट्रेंस एग्जाम आयोजित कराए जाते हैं। तो वहीं कुछ प्रमुख परीक्षाओं में CUET और राज्य स्तरीय परीक्षाएं आदि भी शामिल हैं। एंट्रेस एग्जाम के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर काउंसलिंग की जाती है।

झइन जगहों पर कर सकते हैं नौकरी

- अस्पताल और क्लीनिक
- फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री
- रिटेल फार्मेसी
- रेगुलेटरी अफेयर्स
- शिक्षण

सैलरी

फार्मासिस्ट की सैलरी अनुभव, कार्यक्षेत्र और नौकरी की लोकेशन आदि पर निर्भर करती है। बता दें कि एक फार्मासिस्ट की औसत सैलरी 2.5 लाख से 4 लाख रुपए प्रति वर्ष हो सकती है। एक्सपीरियंस के साथ ही सैलरी बढ़ती जाती है। अनुभवी फार्मासिस्ट की सैलरी 8 लाख से 12 लाख रुपए प्रति वर्ष या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

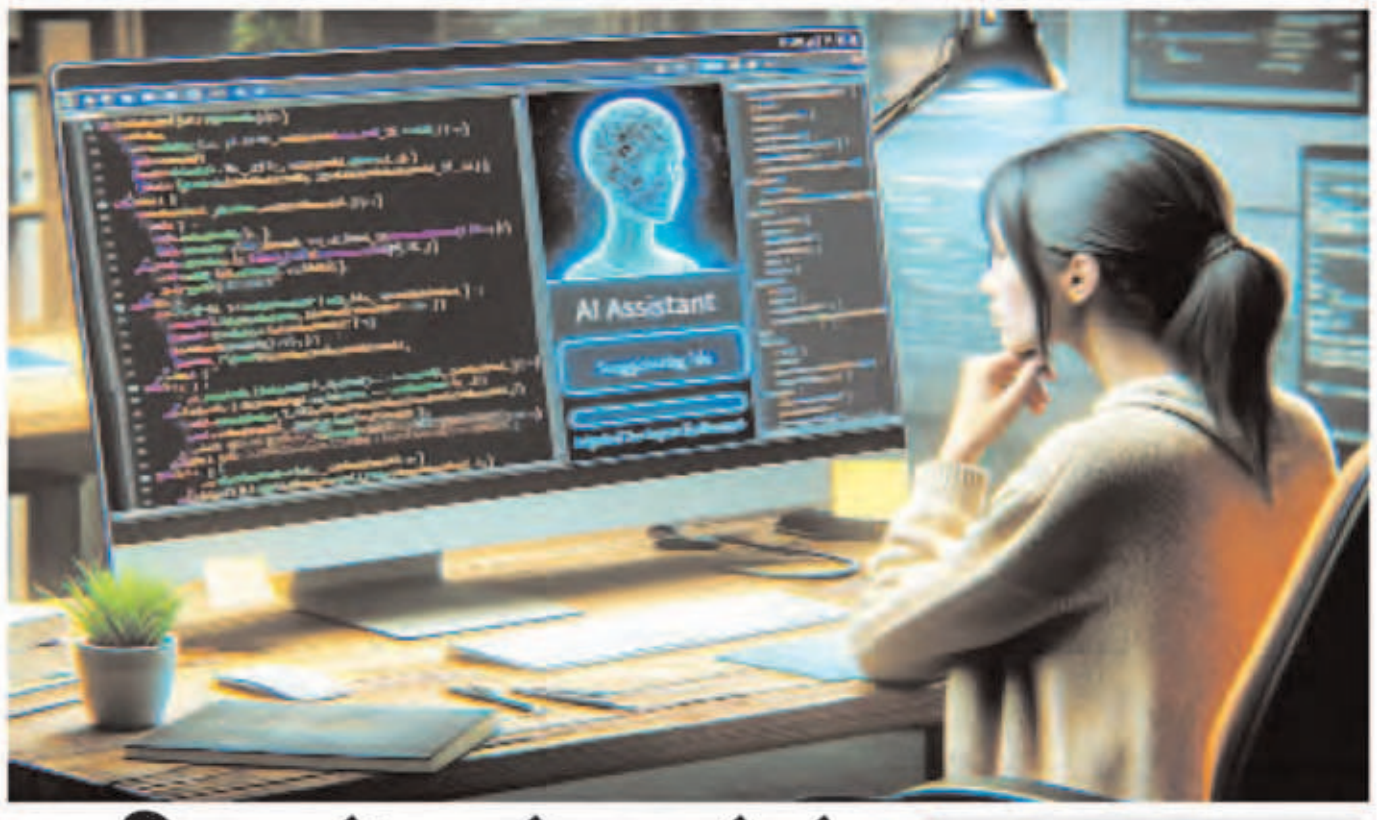

करियर में आगे बढ़ने के लिए मदद कर सकते हैं एआई शॉर्ट टर्म कोर्स

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं।

इन दिनों बहुत सारे लोग नौकरी, बिजनेस या फिर पढ़ाई करते हुए कई दूसरे स्किल भी सीख रहे हैं। लेकिन रेग्यूलर कोर्स करने के लिए आपको किसी संस्थान में जाना होता है, इसके लिए आपके पास पर्याप्त समय होना चाहिए। ऐसे में जिन लोगों के पास समय नहीं होता है, वह शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। बता दें कि यह कोर्स पूरी तरह से ऑनलाइन होते हैं। वहीं इनमें से बहुत सारे कोर्स ऐसे भी होते हैं, जिनको करने के लिए आप किसी खास या तय समय पर कंप्यूटर के सामने नहीं बैठना पड़ता, बल्कि आप अपने समयानुसार इन कोर्स को कर सकते हैं।

राज्य और केंद्र सरकार के अलावा Google, IBM, Reuters जैसी कंपनियां भी इन कोर्सेज को कराती हैं। इन कोर्स की फीस 500 रुपए से लेकर 15 हजार रुपए तक हो सकती है। इनमें से कुछ कोर्स फ्री होते हैं, लेकिन सर्टिफिकेट लेने के लिए कुछ पैसे देने पड़ते हैं।

AI कोर्स

आपको बता दें कि गूगल समेत कई कंपनियों की तरफ से कई तरह के AI कोर्स जारी किए गए हैं। यह कोर्स ऑनलाइन और पूरी तरह फ्री हैं। करियर में आगे बढ़ने के लिए यह कोर्स आपकी मदद कर सकते हैं। हालांकि यह कोर्स अंग्रेजी में होते हैं और आपको थोड़ी-बहुत कंप्यूटर की जानकारी होनी चाहिए। बाकि इन कोर्स को करने के लिए किसी खास तरह की योग्यता की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में आप यह कोर्स को अपनी रेज्यूमे में जोड़कर अच्छी नौकरी की तलाश पूरी कर सकते हैं।

लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स

इस कोर्स को करने के बाद आप भी ChatGPT जैसा प्लेटफॉर्म बना सकते हैं। इस कोर्स में आपको यह सिखाया जाता है कि किस तरह से ChatGPT जैसे प्लेटफॉर्म पर इमेज और कंटेंट क्रिएट किया जाता है। आप इस कोर्स को करने के बाद किसी भी टॉपिक पर आर्टिकल बना सकते हैं। यह किसी भी कंटेंट को दूसरी भाषा में ट्रांसफर कर सकते हैं। मिनटों में लंबे असाइनमेंट या प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं। लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स कोर्स में यह भी बताया व सिखाया जाता है कि आप किस तरह प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग की मदद से आउटपुट पर कंट्रोल पा सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

इमेज जनरेटर

इमेज जनरेटर का कोर्स कर आप AI की मदद से कैसा भी कोई भी फोटो जनरेट कर सकते हैं। इस कोर्स में आप यह भी सीख सकते हैं कि कम रिजॉल्यूशन वाली फोटो को हाई रिजॉल्यूशन में कैसे बदलें। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी का चेहरा भी डिजाइन कर सकते हैं और लैंडस्केप इमेज भी तैयार कर सकती हैं। इस कोर्स में टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर इमेज, स्केच और कार्टून आदि बनाने की ट्रेनिंग दी भी जाती है। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है।

6 महीने का समय

इन कोर्स को करने का समय 3 घंटे से लेकर 6 महीने तक का हो सकता है। कोर्स को कब करना है, कितने बजे से कितने बजे तक करना है, यह फिक्स नहीं होता है। अपनी सुविधानुसार आप किसी भी समय इस कोर्स को कर सकते हैं।

AI में कैसे जॉब पाएं?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने से तकनीक क्षेत्र लेकर मीडिया लाइन में इसका काफी प्रयोग हो रहा है। यह आज के समय में काफी डिमांड में है। AI क्षेत्र में नौकरियां भी काफी तेजी से बढ़ रही हैं। AI को करियर के रुप में देखा जा रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां AI पर फोकस कर रही हैं, इसी तरह लोग भी AI बेस्ड नई नौकरी पाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। आपको बता दें कि, AI में कई नौकरियां शामिल हैं जैसे मशीन लर्निंग इंजीनियर, प्रॉम्प्ट इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट या AI रिचर्स इत्यादि। अगर आप इसे करियर बनाना चाहते हैं तो आपको बता दें किस तरह की पढ़ाई करनी है और कंपनियां को किस तरह की प्रोफाइल वाले रिज्यूम पसंद आते हैं।

टेक्निकल पढ़ाई

दरअसल, बिजनेस इंसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ रिक्रूटर्स का कहना है कि AI जॉब के लिए टेक्निकल एजुकेशन होना काफी जरुरी है। उनका मानना है कि अक्सर AI बेस्ड जॉब देने वाली कंपनियां कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, मैथ्स और एप्लाइड साइंस को कुछ मेन डिग्री के रुप में देखते हैं।

कानून की समझ हो

टैलेंट फर्म कैरेक्स कंसल्टिंग ग्रुप के एक टेक्निकल रिक्रूटर एड्री मेंडोजा ने कहा कि क्योंकि AI एक नया फील्ड है, इसलिए इसकी ट्रेनिंग एक अच्छा ऑप्शन है। आगे उन्होंने बताया कि कानून की गहरी समझ होना जरुरी है और बेस्ट सिक्योरिटी प्रैक्टिस भी होनी जरुरी है। लेकिन शुरुआत में इतना काफी नहीं है। अगर आप इस नई फील्ड में अपनी जगह बनाने चाहते हैं तो आपका टेक्निकल बैकग्राउंड से होना बहुत जरुरी है। जो लोग अलग-अलग पढ़ाई या करियर वाले स्कूल से आत हैं, उन्हें AI में नौकरी नहीं मिल सकती है।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना चाहिए

अगर आप AI में नौकरी पाना चाहते हैं तो AI की स्पेफिक टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी और इंजीनियर होना बहुत जरुरी है, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज आना भी जरुरी है। AI में नौकरियों के लिए आवेदकों के लिए पायथन या जावास्क्रिप्ट की समझ होनी चाहिए।

कोडिंग की समझ भी जरुरी

एक्सपर्ट के मुताबिक, कोडिंग सर्टिफिकेट्स नौकरी पाने की संभावनाएं बढ़ा देते हैं। अगर AI में बेहतरीन नौकरी चाहिए तो कोडिंग की अच्छी समझ होनी चाहिए।

बिना कोडिंग के भी मिलेगा करोड़ों का इंटरनेशनल पैकेज, बढ़ रही इस बीटेक ब्रांच की डिमांड

आजकल जब भी कोई इंजीनियरिंग करने की सोचता है, तो सबसे पहले उसके दिमाग में बीटेक यानी कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का नाम आता है. सबको लगता है कि बड़ा पैकेज और शानदार करियर सिर्फ कोडिंग या सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में ही मिल सकता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी भी फील्ड है जहां बिना कोडिंग के भी छात्रों को करोड़ों रुपये के इंटरनेशनल पैकेज मिल रहे हैं. वो है बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

अगर आपकी रुचि कोर इंजीनियरिंग में है और आप दुनिया घूमने के साथ-साथ एक शानदार सैलरी पैकेज चाहते हैं, तो यह फील्ड आपके लिए एक बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकती है. आइए जानते हैं कि पेट्रोलियम इंजीनियरिंग क्या है और क्यों यह आज के समय में इतनी डिमांड में है.

क्या होती है बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग इंजीनियरिंग की वह ब्रांच है जो जमीन के नीचे से कच्चे तेल और नेचुरल गैस को सुरक्षित और सही तरीके से बाहर निकालने की टेक्नीक पर काम करती है. एक पेट्रोलियम इंजीनियर का काम सिर्फ खुदाई करना नहीं होता. वे यह पता लगाते हैं कि जमीन या समुद्र के नीचे तेल कहां है, उसे बाहर निकालने के लिए कौन सी मशीनें लगेंगी और कैसे कम से कम खर्च में ज्यादा से ज्यादा तेल निकाला जा सकता है.

क्यों मिल रहे हैं इसमें इंटरनेशनल पैकेज

बहुत से लोगों को लगता है कि दुनिया अब इलेक्ट्रिक गाड़ियों और रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ बढ़ रही है, तो तेल की डिमांड कम हो जाएगी. लेकिन सच यह है कि प्लास्टिक, दवाइयां, केमिकल और भारी उद्योगों में आज भी पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का कोई दूसरा विकल्प नहीं है. आजकल ज्यादातर छात्र कंप्यूटर साइंस की तरफ भाग रहे हैं, इसलिए बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के फील्ड में टैलेंटेड प्रोफेशनल्स की भारी कमी हो गई है. डिमांड ज्यादा और सप्लाई कम होने की वजह से बड़ी-बड़ी विदेशी कंपनियां जैसे अरामको, शेल, और शेवरॉन भारतीय छात्रों को सीधे कॉलेज कैंपस से ही करोड़ों रुपये के इंटरनेशनल पैकेज पर हायर कर रही हैं.

मिडिल ईस्ट में नौकरियों की भरमार

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ बिजनेस है. इस कोर्स को करने के बाद आपको सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में काम करने का मौका मिलता है. विशेष रूप से दुबई, सऊदी अरब, कतर, ओमान जैसे मिडिल ईस्ट (खाड़ी) देशों में तेल के विशाल भंडार हैं. इसके अलावा अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में भी पेट्रोलियम इंजीनियर्स की भारी मांग रहती है. इन देशों में काम करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि वहां सैलरी बहुत ज्यादा होती है और कई देशों में तो इनकम टैक्स भी नहीं देना पड़ता है.

कोर्स के दौरान क्या-क्या पढ़ना होता है

अगर आप इस फील्ड में आना चाहते हैं, तो आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स पढ़ना जरूरी है. इसके बाद आप IITs या देश की अन्य टॉप यूनिवर्सिटीज से 4 साल का बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग कोर्स कर सकते हैं. इस कोर्स के दौरान आपको नीचे दिए गए मुख्य विषयों के बारे में सिखाया जाता है:

ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी: जमीन और समुद्र में गहरे कुएं कैसे खोदे जाते हैं.

रिजर्वोइयर इंजीनियरिंग: तेल के भंडारों का सही अंदाजा लगाना.

प्रोडक्शन ऑपरेशन्स: तेल को जमीन से बाहर निकालने की पूरी प्रक्रिया.

जियोलॉजी: धरती की परतों और चट्टानों का अध्ययन करना.

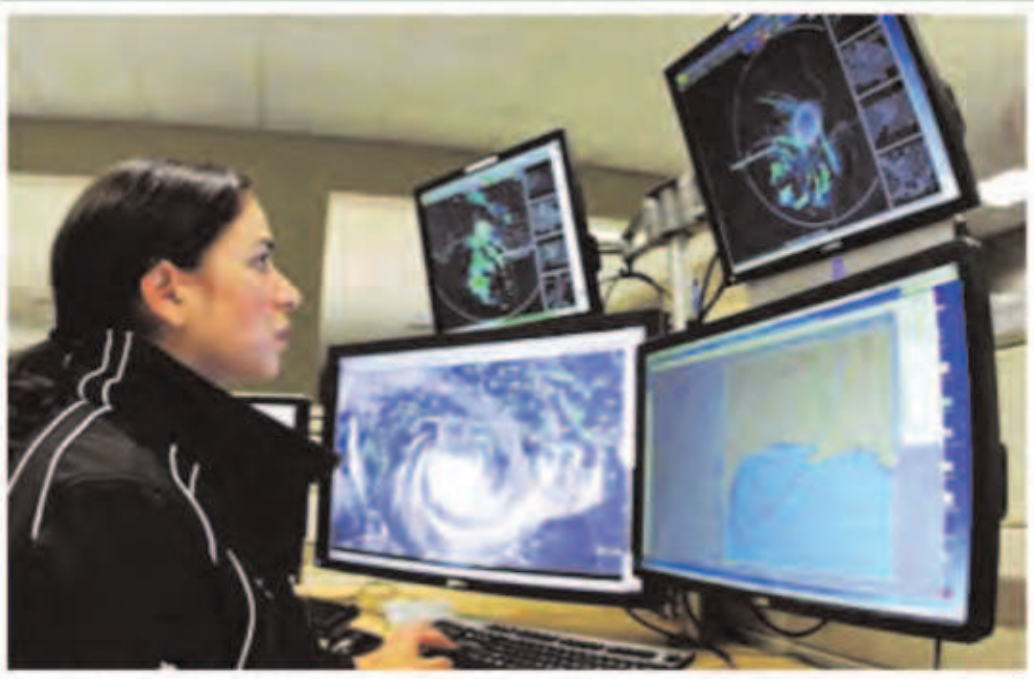

हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी

आपके शहर, घर और पसंदीदा जगहों की सेटेलाइट तस्वीरों की हो या फिर उस जीपीएस तकनीक की, जिसकी मदद से आप कोई पता तलाशते हैं, किसी अनजाने क्षेत्र में जाने के लिए आसान रास्ता ढूंढते हैं या कोई नजदीकी होटल खोजते हैं। कुछ साल पहले तक कोरी कल्पना लगने वाली ये तकनीकें अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं। यह सब संभव हुआ है जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी के कारण।

जीआईएस या जियोमेटिक्स एक नई वैज्ञानिक अवधारणा है, जिसका इस्तेमाल जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन साइंस या जियोस्पेशल इंफॉर्मेशन स्टडीज में होता है। अकादमिक रूप से यह जियोइंफॉर्मेटिक्स विषय की एक शाखा है। इस विषय के सिद्धांतों को आधार बनाकर तैयार की गई तकनीकों को जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी कहा जाता है। इस तकनीक की मदद से सभी तरह की भौगोलिक सूचनाओं को इकट्ठा करके उनका संग्रहण, विश्लेषण और प्रबंधन किया जा सकता है। इस कार्य में जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) और रिमोट सेंसिंग का प्रयोग किया जाता है। भारत में जियोमेटिक्स का क्षेत्र अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन एक उद्योग के रूप में यह तेजी से विस्तार कर रहा है। इसको अपने कामकाज के लिए बड़े पैमाने पर स्पेशल डाटा (आकाशीय आंकड़ों) की जरूरत होती है। मगर शुरुआती दौर में होने की वजह से इस उद्योग में कुशल पेशेवरों की कमी बनी हुई है। इस कारण यहां रोजगार और तरक्की की दृष्टि से काफी संभावनाएं हैं। इस तकनीक का लाभ परिवहन, रक्षा, विनिर्माण और संचार सहित सैकड़ों क्षेत्रों में लिया जा रहा है। अर्बन प्लानिंग, लैंड यूज मैनेजमेंट, इन-कार नेविगेशन सिस्टम, वचरुअल ग्लोब, पब्लिक हेल्थ, इंवायरन्मेंटल मॉडलिंग एंड एनालिसिस, मिलिट्री, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, मीटिअरोलॉजी, ओशियनोग्राफी एंड एटमॉस्फेयर मॉडलिंग, बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर, आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन, टेलीकम्यूनिकेशंस, क्रिमिनोलॉजी एंड क्राइम सिमुलेशन, एविएशन और मैरीटाइम ट्रांसपोर्ट आदि से संबंधित कार्यों में जियोइंफॉर्मेटिक्स काफी मददगार साबित हो रहा है। क्लाइमेट चेंज स्टडीज, टेलीकम्यूनिकेशंस, डिजास्टर मैनेजमेंट और उसकी तैयारियों में इस तकनीक से विशेष मदद मिलती है। इसी तरह बिजनेस लोकेशन प्लानिंग, आर्किटेक्चर और आर्कियोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन में इस तकनीक को अपनाए जाने के बाद काम की गुणवत्ता में काफी सुधार आया है। जियोग्राफी और अर्थ साइंस के विशेषज्ञों और शोधार्थियों को भी इस तकनीक से सटीक अध्ययन में काफी मदद मिली है।

जियोइंफॉर्मेटिक्स के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अब यह सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों में बड़े निर्णयों का आधार भी बनने लगा है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान, पर्यावरण एजेंसियां, सरकार, शोध-शिक्षण संस्थान, सर्वेक्षण और मानचित्रीकरण संगठन अपने कामकाजी फैसलों में इस तकनीक से प्राप्त आकंड़ों को वरीयता देते हैं। कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों ने अपने दैनिक कार्यों का प्रबंधन करने के लिए भी स्पेशल डाटा का उपयोग शुरू कर दिया है।

संभावनाएं

जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी में कई तरह के रोजगार उपलब्ध हैं। साथ ही नए-नए अवसर भी इस क्षेत्र में पैदा हो रहे हैं। एनालिस्ट, काटरेग्राफर, सर्वेयर, प्लानर, एरियल फोटोग्राफर और मैपिंग टेक्निशियन आदि रोजगार के कुछ प्रमुख विकल्प हैं, जिन्हें जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रहे छात्र चुन सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : एसी

साहिबगंज : अपर समाहर्ता विजय कुमार ने बरहेट प्रखंड के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में विभिन्न मतदान केंद्रों बूथों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी,बीडीओ अंशु कुमार पांडे,मुखिया सह झामुमो युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष बल्लू सोरेन शामिल रहे उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के बूथ संख्या बोड़बांध लबरी कुसमा पंचायत के अलग अलग बूथ संख्या 104,107,110,118, 121,122, 198,199, का दौरा किया.मौके पर बीएलओ से मिलकर एसआइआर फार्म भरने के बारे में अब तक की प्रगति की जानकारी ली.मतदाता सूची में नाम जोड़ने,हटाने और संशोधन कार्य को पूरी पारदर्शिता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिये।गणना प्रपत्र के वितरण, डिजिलाईरेशन आदि की जानकारी ली.उपस्थित बीएलओ को जिम्मेदारी के साथ अपने बूथों पर सक्रिय रहकर कार्य करने का निर्देश दिया.निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने विभिन्न बूथों पर उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों और सुपरवाइजरों के पंजी की जांच की.उन्होंने बीएलओ व सुपरवाइजर को निर्देशित किया कि पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों का कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे।उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी तरह की शिथिलता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत काम पूरा करे।इस दौरान आदिम जनजाति के मतदाताओं से बातचीत भी की .उन्हें जागरूक कर प्रपत्र वितरण फार्म भरने की अपील की।

मिट्टी जांच प्रयोगशाला में किसानों के लिए मृदा परीक्षण की सुविधा पूर्णतः नि:शुल्क उपलब्ध है : प्रमोद

साहिबगंज : पीएम श्री उत्क्रमित नगरपालिका कन्या उच्च विद्यालय साहिबगंज की कक्षा 9 व 10 की कुल 12 छात्राओं ने मिट्टी जाँच प्रयोगशाला साहिबगंज का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान छात्राओं को मृदा स्वास्थ्य के महत्व, वैज्ञानिक खेती और संतुलित उर्वरक उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।सहायक मिट्टी रसायनज्ञ साहिबगंज ने छात्राओं को मिट्टी नमूना संग्रहण की वैज्ञानिक विधि, मृदा परीक्षण की प्रक्रिया तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर रासायनिक एवं जैविक उर्वरकों के संतुलित उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रयोगशाला में मिट्टी के 12 प्रमुख मानकों जैसे पीएच, विद्युत चालकता, नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश सल्फर, जिंक, कॉपर, लोहा, मैंगनीज, मोलिब्डेनम एवं बोरॉन का परीक्षण किया जाता है।छात्राओं को बताया गया कि प्रत्येक किसान को प्रत्येक तीन वर्ष में अपने खेत की मिट्टी की जाँच अवश्य करानी चाहिए। मृदा परीक्षण के आधार पर अनुशंसित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने से फसल उत्पादन में वृद्धि होती है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति एवं स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहता है। साथ ही सरकार द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान के माध्यम से मृदा संरक्षण एवं उर्वरता बनाए रखने के लिए किसानों को निरंतर जागरूक किया जा रहा है।जिला कृषि पदाधिकारी ने छात्राओं से अपने-अपने खेतों की मिट्टी जाँच हेतु प्रयोगशाला में भेजने अपने अभिभावकों व आसपास के किसानों को भी निःशुल्क मृदा परीक्षण के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि जिला मिट्टी जाँच प्रयोगशाला में किसानों के लिए मृदा परीक्षण की सुविधा पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध है।इस अवसर पर जिला योजना व मूल्यांकन पदाधिकारी साहिबगंज मिट्टी जाँच प्रयोगशाला के सभी कर्मी व विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बच्चों के लिए सुरक्षित संवेदनशील और विश्वासपूर्ण वातावरण तैयार करना है : थाना प्रभारी

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना में शनिवार को बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण को लेकर 'बाल मित्र थाना' अवधारणा पर विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के नेतृत्व में संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख व चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने थाना प्रभारी से मुलाकात कर इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की।बैठक में थाना प्रभारी को बाल मित्र थाना की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी दी गई।अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों के लिए सुरक्षित संवेदनशील और विश्वासपूर्ण वातावरण तैयार करना है।ताकि संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों अपराध से प्रभावित बच्चों तथा विधि से संघर्षरत किशोरों के मामलों का मानवीय और प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सके।बैठक में पुलिस जिला बाल संरक्षण इकाई चाइल्ड हेल्पलाइन और अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया।साथ ही किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम, 2015 में बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी अनुपालन पर भी चर्चा हुई।बरहेट थाना प्रभारी ने बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में जिला प्रशासन और जिला बाल संरक्षण इकाई को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वोत्तम हितों की रक्षा के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर उप विकास आयुक्त ने की बैठक

जिला स्तरीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : आगामी 15 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर उप विकास आयुक्त रवि जैन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय, सुव्यवस्थित एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक के दौरान मुख्य समारोह स्थल की साफ-सफाई, रंग- रोगन, मंच एवं पंडाल निर्माण, ध्वजारोहण की व्यवस्था, परेड, राष्ट्रगान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विद्युत एवं ध्वनि व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन सेवा, यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में समारोह स्थल पर आगंतुकों के बैठने की समुचित व्यवस्था, विशिष्ट अतिथियों के स्वागत, स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों के सम्मान, देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा पुरस्कार एवं प्रशस्ति- पत्र वितरण से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने संबंधित विभागों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करते हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल बनाने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता संजय पीएम कूजूर, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रामरतन वर्णवाल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की, जिला सहकारिता पदाधिकारी रुमा जा, जिला नियोजन पदाधिकारी प्रकाश बैठा समेत जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सतगावां के दो शिक्षक सम्मानित शिक्षा में नवाचार का लिया संकल्प

मेट्रो रेज संवाददाता

सतगावां : प्रिंसिपल कॉन्क्लेव 2026 में सतगावां के दो निजी विद्यालयों के शिक्षाविदों को शिक्षा,नवाचार, आनंददायक एवं कौशल आधारित शिक्षण तथा समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।सम्मान पाने वालों में सीनियर मॉडर्न पब्लिक स्कूल,सतगावां के प्राचार्य भुवनेश्वर कुमार तथा झारखंड सेंटूल पब्लिक स्कूल, सतगावां के निदेशक अभय कुमार शामिल हैं। इस सम्मान से सतगावां क्षेत्र के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में खुशी का माहौल है।कॉन्क्लेव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) का उपयोग, कौशल विकास, विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य तथा भविष्य की शिक्षा व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। साथ ही शिक्षकों को बच्चों के लिए पढ़ाई को रोचक, सरल और आनंददायक बनाने के विभिन्न आधुनिक तरीकों की जानकारी दी गई।विशेषज्ञों ने प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, समूह चर्चा, रोल प्ले, कहानी के माध्यम से शिक्षा, अक एवं डिजिटल टूल्स का उपयोग, कला, संगीत, खेल, प्रयोगशाला आधारित गतिविधियों तथा फील्ड विजिट जैसी गतिविधियों को विद्यालयों में अपनाने पर जोर दिया, ताकि विद्यार्थी व्यावहारिक ज्ञान के साथ 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित कर सकें।सम्मानित शिक्षाविदों भुवनेश्वर कुमार और अभय कुमार ने कहा कि कॉन्क्लेव से उन्हें नई शिक्षा पद्धतियों और तकनीकों के बारे में काफी कुछ सीखने का अवसर मिला है। वे इन नवाचारों को अपने विद्यालयों में लागू कर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे।उन्होंने द टाइम्स ऑफ इंडिया परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों को सीखने, अनुभव साझा करने और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

'नशामुक्त युवा विकसित भारत' प्रतियोगिता

झारखंड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का जलवा, दो द्वितीय पुरस्कार पर किया कब्जा

नुक्कड़ नाटक और दमदार नारे से गूंजा कोडरमा, ठरर स्वयंसेवकों ने जिला स्तर पर लहराया परचम

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : मेरा युवा भारत पोर्टल द्वारा आयोजित 'नशामुक्त युवा विकसित भारत' जिला स्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, झुमरी तिलैया के राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) इकाई के स्वयंसेवकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक और प्रभावशाली नारों के माध्यम से नशामुक्त समाज का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. एस.बी. मिश्रा, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. सुरभि कुमारी एवं स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रो. सुखनंदन तिवारी ने किया। स्वयंसेवकों ने कोडरमा और झुमरी तिलैया की गलियों में जनजागरूकता रैली निकालकर युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में बी.एड. सत्र 2025-27 के रईस ग्रुप द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक को दर्शकों और निर्णायकों ने खूब सराहा, जिसके लिए टीम को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं प्रशिक्षु तेजवंत कुमार के प्रेरक नारे ₹होश में रहेंगे, जोश से बढ़ेंगे, नशामुक्त युवा ही विकसित भारत गढ़ेंगे₹ ने सभी का दिल जीत लिया। इस उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए उन्हें भी द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर सचिव डॉ. डी.एन. मिश्रा एवं प्राचार्य ने सभी प्राध्यापकों, शिक्षकेत्तर कर्मियों और प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, राष्ट्रनिर्माण और नशामुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करते हैं।

जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक बेटी को सुरक्षित शिक्षित स्वस्थ सशक्त बनाना है

संवाददाता

साहिबगंज : जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के मार्गदर्शन में राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका विद्यालय बरहेट व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बरहेट में किशोरियों के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बाल विवाह मुक्त भारत बाल संरक्षण पॉक्सो अधिनियम गुड टच बैड टच, डिजिटल साक्षरता, डायन प्रथा उन्मूलन, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं से विस्तार पूर्वक अवगत कराया गया।अधिकारियों ने बालिकाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बेहतर स्वास्थ्य पोषण मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह की रोकथाम एवं महिला हिंसा की स्थिति में सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली कानूनी चिकित्सीय मनोसामाजिक एवं अन्य सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 व विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सजग जागरूक रहने का आह्वान किया गया।पर्यावरण संरक्षण व एक पेड़ बेटी के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में किशोरियों द्वारा पौधारोपण कराया गया। इसके अतिरिक्त छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच व स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती पुनम कुमारी संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती चंदा कुमारी परियोजना समन्वयक, चाइल्ड हेल्पलाइन मो. इकबाल विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शिक्षकगण संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अंत में सभी अधिकारियों ने बालिकाओं से शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा सशक्त माध्यम बताते हुए आत्मविश्वास आत्मनिर्भरता और सामाजिक जागरूकता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य प्रत्येक बेटी को सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ एवं सशक्त बनाना है समाज की सहभागिता से ही बालिका सशक्तिकरण का लक्ष्य प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सकता है।

हजारीबाग डीएसओ ने दाल भात केंद्रो का किया औचक निरीक्षण

हजारीबाग : जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुरली यादव ने शनिवार को हजारीबाग शहरी क्षेत्र में संचालित विभिन्न दाल-भात केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई में लापरवाही और अभिलेखों के संधारण में कमी मिलने पर तीन प्रमुख केंद्रों के संचालकों से स्पष्टीकरण मांगा गया है और सुधार होने तक उनके आवंटन में कटौती के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान शहरी क्षेत्र के महत्वपूर्ण केंद्रों पर कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आईं। नया बस स्टैंड केंद्र मे साफ-सफाई की भारी कमी पाई गई तथा योजना से संबंधित बैनर भी गायब था। पुराना बस स्टैंड केंद्र पर भी अनिवार्य बैनर अनुपस्थित मिला।
संचालिका ने तर्क दिया कि रात के समय अज्ञात लोग बैनर उखाड़ ले जाते हैं। इस पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बैनर के स्थान पर केंद्र परिसर में स्थायी पेंट या सूचना बोर्ड लगवाने का कड़ा निर्देश दिया।सदर अस्पताल केंद्र के निरीक्षण के दौरान यहां प्रतिदिन भोजन करने वाले लाभुकों का पंजी ही गायब मिला। इसे प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लिया है। इन तीनों केंद्रों नया बस स्टैंड, पुराना बस स्टैंड और सदर अस्पताल के संचालकों को नोटिस जारी कर चार दिनों के भीतर सभी निर्धारित मानकों के तहत सुधार करने का अल्टीमेटम दिया गया है। जब तक व्यवस्था में सुधार नहीं होता, तब तक इनके आवंटन में कटौती प्रभावी रहेगी।एक तरफ जहां कुछ केंद्रों पर खामियां मिलीं, वहीं दूसरी ओर शहरी क्षेत्र के अन्य केंद्रों की स्थिति ठीक पाई गई। आश्रय गृह, मटवारी और कल्लू चौक स्थित दाल-भात केंद्रों का संचालन पूरी तरह संतोषजनक मिला। इन केंद्रों पर परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता भी मानकों के अनुरूप और अच्छी पाई गई।जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने शहरी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि वे नियमित और सघन निरीक्षण अभियान चलाएं ताकि सरकारी योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लाभुकों को निर्धारित दर पर स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

साहिबगंज व राजमहल में मासिक सह विशेष लोक अदालत का आयोजन

13 वादों का हुआ निस्तारण 1,50,000 की समझौता राशि पर बनी सहमति

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में शनिवार को व्यवहार न्यायालय, साहिबगंज एवं अनुमंडलीय न्यायालय, राजमहल में मासिक सह विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया।लोक अदालत में विभिन्न प्रकृति के मामलों का आपसी सुलह एवं समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। इस दौरान कुल 13 वादों का सफलतापूर्वक निष्पादन हुआ तथा ₹1,50,000 की समझौता राशि पर पक्षकारों के बीच सहमति बनी।लोक अदालत में न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक प्रतिनिधियों संबंधित विभागों के अधिकारियों के सहयोग से मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान कराया गया। पक्षकारों ने भी लोक अदालत की प्रक्रिया की सराहना करते हुए इसे समय, धन एवं श्रम की बचत का प्रभावी व सुलभ माध्यम बताया गया की जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने आमजन से अपील की वे आपसी सुलह और समझौते से निस्तारित किए जा सकने वाले मामलों के समाधान हेतु लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में निस्तारित मामलों के विरुद्ध सामान्यतः अपील का प्रावधान नहीं होता तथा पक्षकारों को त्वरित सरल एवं कम खचीर्ला न्याय प्राप्त होता है।

एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिपः पाकिस्तान को 3-1 से हराकर भारत बना चैंपियन

महिला टीम ने जीता रजत

एजेंसी

मस्कट (ओमान) : भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीत लिया। फाइनल में भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने फाइनल में चीन से संघर्षपूर्ण मुकाबले में हारने के बावजूद रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ के पांचवें मिनट में रोमित पाल ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके एक मिनट बाद ही शाहरुख अली ने गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। पाकिस्तान की ओर से मुहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने शानदार खेल दिखाते हुए पाकिस्तान को कोई और मौका नहीं दिया और 3-1 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारतीय पुरुष टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। टीम एलीट पूल में शीर्ष पर रही और फिर फाइनल जीतकर एशियाई चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल में पहुंचने के साथ ही भारत और पाकिस्तान दोनों ने उद्घाटन एफआईएच यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। महिला वर्ग में भारतीय सब-जूनियर टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि खिताबी मुकाबले में चीन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम ने रजत पदक जीतकर भारत की झोली में एक और उपलब्धि जोड़ दी।

हॉकी इंडिया ने नकद पुरस्कार की घोषणा की

दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन से उत्साहित हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। स्वर्ण पदक जीतने वाली पुरुष टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 2 लाख रुपये, जबकि सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, रजत पदक जीतने वाली महिला टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 1 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 50 हजार रुपये का पुरस्कार मिलेगा।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की पीटी उषा ने की सराहना, कहा- भारत जीतेगा कई पदक

ग्लासगो : भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने ग्लासगो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह की सराहना करते हुए कहा कि आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया और प्रतियोगिता की शानदार शुरूआत सुनिश्चित की। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय दल इस बार विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अच्छी संख्या में पदक जीतेगा। पीटी उषा ने कहा कि उद्घाटन समारोह का आयोजन बेहद प्रभावशाली रहा और खिलाड़ियों को जिस सम्मान के साथ मंच प्रदान किया गया, वह सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार अनुभव रहा। उन्होंने ग्लासगो आयोजन समिति की तैयारियों और मेहमाननवाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। आईओए अध्यक्ष ने भारतीय दल की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, जो विभिन्न स्पर्धाओं में देश के लिए पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की है और उन्हें विश्वास है कि भारत का प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा। पीटी उषा ने भारत के लिए प्रतियोगिता का पहला पदक जीतने वाले पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुरुष हैवीवेट वर्ग में कांस्य पदक जीतकर झंडू कुमार ने भारतीय अभियान की प्रेरणादायक शुरूआत की है। उनके अनुसार, यह उपलब्धि पूरे भारतीय दल का मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कॉमनवेल्थ गेम्सः पुतुल सोनोवाल की अजेय लय टूटी, मलेशिया के इज्जत जुल्केपले से हारे

एजेंसी

ग्लासगो : भारत के पुतुल सोनोवाल को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की पुरुष एकल लॉन बॉल्स स्पर्धा में पहली हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को सेक्शन-डी के महत्वपूर्ण मुकाबले में मलेशिया के इज्जत शमीर जुल्केपले ने उन्हें सीधे सेटों में 8-4, 9-8 से हराकर उनकी सेमीफाइनल की राह कठिन बना दी। इस हार के साथ ग्लासगो में सोनोवाल का अजेय अभियान समाप्त हो गया। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रत्येक सेक्शन से केवल शीर्ष खिलाड़ी ही सेमीफाइनल में पहुंचता है, ऐसे में उपविजेता के लिए अगले दौर में जगह नहीं है। तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने वाले जुल्केपले नौ अंक और +18 शॉट अंतर के साथ सेक्शन-डी में शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं, सोनोवाल दो जीत और एक हार के साथ छह अंक तथा -8 शॉट अंतर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। मुकाबले में मलेशियाई खिलाड़ी ने शुरूआत से ही बढ़त बना ली और पहला सेट 8-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी सोनोवाल शुरूआती दौर में पिछड़ गए। हालांकि, उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में जुल्केपले ने संयम बनाए रखते हुए 9-8 से सेट और मैच जीत लिया। अब सोनोवाल को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी सभी मुकाबले बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके साथ ही उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि जुल्केपले अपने आगामी मैचों में हारें।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 चौथा दिनः रविवार को मीराबाई, रिशिकांता और भारतीय मुक्केबाजों पर रहेंगी निगाहें

ग्लासगो : राष्ट्रमंडल खेल 2026 के चौथे दिन रविवार (26 जुलाई) को भारतीय खिलाड़ी कई खेलों में अपनी चुनौती पेश करेंगे। दिन का सबसे बड़ा आकर्षण ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू होंगी, जो महिला 48 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा के फाइनल में पदक के लिए उतरेंगी। वहीं पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग में रिशिकांता सिंह भी फाइनल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। दिन की शुरूआत दोपहर 1:00 बजे लॉन बॉल्स महिला युगल स्पर्धा से होगी, जिसमें रूपा रानी तिर्की और पिंकी की जोड़ी नामीबिया की अमांडा स्टीनकैम्प और डायना विलजोन के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद दोपहर 2:15 बजे रिशिकांता सिंह पुरुष 60 किलोग्राम भारोत्तोलन फाइनल में उतरेंगे। शाम 4:30 बजे तपन मोहंती पुरुष ऑल-अराउंड जिम्नास्टिक फाइनल में चुनौती पेश करेंगे। तैराकी में शाम 4:39 बजे श्रीहरि नटराज, आर्यन नेहरा, अनीश गौड़ा और धक्षण शशिकुमार की भारतीय टीम पुरुष 4ग200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले की हीट में उतरेगी। यदि टीम क्वालीफाई करती है तो उसका फाइनल देर रात 1:56 बजे खेला जाएगा। शाम 6:45 बजे मीराबाई चानू महिला 48 किलोग्राम भारोत्तोलन फाइनल में पदक जीतने के इरादे से मंच पर उतरेंगी। इसके बाद शाम 7:15 बजे पुतुल सोनोवाल लॉन बॉल्स पुरुष एकल स्पर्धा में माल्टा के शॉन जेम्स पार्निस से भिड़ेंगे, जबकि रात 10:05 बजे रूपा रानी तिर्की और पिंकी की जोड़ी इंग्लैंड के खिलाफ अपना दूसरा मुकाबला खेलेगी।

इंदिरा कृष्णन ने बताया दुर्गावती का सफर, बोलीं-

ऐसे किरदार टीवी के बदलाव को दिखाते है

अभिनेत्री इंदिरा कृष्णन टेलीविजन ने कई फिल्मों और टीवी शोज में अपनी अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह टीवी शो 'गंगा मां की बेटियां' में दुर्गावती का किरदार निभा रही हैं, जो मजबूत सोच रखने वाली और अपने फैसलों पर अडिग रहने वाली महिला है। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार के जरिए उन्हें एक ऐसी महिला की कहानी दिखाने का मौका मिला, जो ताकत के साथ-साथ अपनी कमजोरियों और भावनाओं को भी स्वीकार करती है। इंदिरा कृष्णन ने अपने किरदार को लेकर बात करते हुए कहा, ''दुर्गावती कई परतों वाला किरदार है। इस भूमिका को निभाने के दौरान मुझे एक कलाकार के तौर पर कई अलग-अलग भावनाओं को समझने और पर्दे पर उतारने का मौका मिला। उसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह मुश्किल परिस्थितियों में भी अपने विचारों और सिद्धांतों से पीछे नहीं हटती।'' इंदिरा ने कहा, ''दुर्गावती मेरे करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक है, क्योंकि यह किरदार मुझे एक अभिनेत्री के तौर पर लगातार आगे बढ़ने का मौका देता है। अभिनेत्री ने बताया, ''दुर्गावती की कहानी सिर्फ एक मजबूत महिला बनने तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी महिला की यात्रा है, जो उस समय भी अपने विश्वासों के साथ खड़ी रहती है, जब लोग उसे गलत समझने लगते हैं।

मेगास्टार अमिताभ बच्चन को ब्लॉग लिखना पड़ा भारी

अब दे रहे हैं सफाई

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने स्पष्ट किया है कि उनके हालिया ब्लॉग पोस्ट को लोगों ने गलत तरीके से समझ लिया। उन्होंने कहा कि उनकी पोस्ट किसी निजी स्थिति से जुड़ी नहीं थी, बल्कि अर्जेंटीना की हार के बाद फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी के उदाहरण के जरिए एक विचार समझाने का प्रयास था। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, 'मैं बिल्कुल ठीक हूं। लोगों ने मेरी पोस्ट का गलत मतलब निकाल लिया।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं सिर्फ अपनी बात समझाने के लिए एक उदाहरण दे रहा था। जैसे किसी बड़ी सर्जरी या आईसीयू से बाहर आने के बाद असली चुनौती तब शुरू होती है, जब मरीज घर लौटकर अपनी बदली हुई शारीरिक स्थिति का सामना करता है। उसी तरह, जब कोई चैंपियन हारता है, तो सबसे कठिन समय हार नहीं, बल्कि उसके बाद खुद को संभालना और उस हार को स्वीकार करना होता है। महानायक ने कहा कि इसी बात को स्पष्ट करने के लिए उन्होंने अर्जेंटीना की हार और लियोनेल मेसी का उदाहरण दिया था, लेकिन लोगों ने यह समझ लिया कि वह अपनी ही स्थिति या किसी व्यक्तिगत हार की बात कर रहे हैं। इससे पहले मंगलवार को अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी कराने, आईसीयू में समय बिताने और घर लौटने के बाद आने वाली शारीरिक एवं मानसिक चुनौतियों का जिक्र किया था। वहीं, सोशल मीडिया मंच एक्स पर उन्होंने लिखा था, 'खेल खत्म हो गया है! लेकिन काम अभी भी जारी है। इन पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों के बीच उनकी सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग के माध्यम से स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि उनकी पोस्ट का गलत अर्थ निकाला गया।

शहनाज संग डेटिंग की अफवाहों पर राघव ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

मरते दम तक रक्षा करुंगा...

मशहूर डांसर और एक्टर राघव जुयाल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भाई तेरी स्टार है की प्रमोशन में जुटे हुए हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसी दौरान वो एक इंटरव्यू में पहुंचे, जहां पर वो पहली बार शहनाज गिल संग डेटिंग की अफवाहों को लेकर बोलें। उनके बयान के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चलो ही चर्चाओं को एक नई दिशा मिल गई। इंटरव्यू के दौरान राघव ने कहा की उनके माता-पिता ने हमेशा ही से लड़कियों का सम्मान करना सिखाया है और उनकी सुरक्षा के लिए खड़े रहने की सीख दी है। उन्होंने कहा की अगर उनके साथ मौजूद किसी महिला पर कोई हमला करने की कोशिश करेगा तो वह चुपचाप खड़े नहीं रहेंगे बल्कि उसकी रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। राघव के मुताबिक, यह उनकी परवरिश और स्वभाव का हिस्सा है कि वह अपने परिवार, दोस्तों और अपने साथ मौजूद हर महिला की आखिरी सांस तक सुरक्षा करेंगे। उन्होंने यह भी साफ़ किया कि किसी भी मुश्किल समय में चुप खड़े रहकर देखना उनकी फितरत में नहीं है।

मस्कुलिनिटी पर बोलें राघव जुयाल

मर्दानगी को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए राघव जुलाई ने कहा की जिस तरह महिलाओं की अपनी एक एनर्जी होती है, उसी तरह हर मर्द की भी अपनी एक खास पहचान होती है। इन दोनों चीजों का बैलेंस बनाना हर मर्द के लिए बहुत जरुरी है। उन्होंने कहा कि उनका डांस, अभिनय पर व्यक्तित्व उनकी भावनात्मक संवदेनशीलता को दर्शाता है लेकिन जब किसी की मदद करने या उसके साथ मजबूती से खड़े होने की बात आती है तो उनके माता-पिता से मिलने संस्कार उन्हें आगे बढ़ने का हौंसला देते हैं। राघव ने कहा कि वो हमेशा ही अपने दोस्तों, बहनों और परिवार वालों का साथ देंगे और जब उन्हें जरुरत पड़ेगी वो एक आवाज में चले जाएंगे। इस दौरान स्टारडम को न देखते हुए वो अपनी जिम्मेदारी पहले निभाएंगे।

शहनाज गिल ने भी डेटिंग को लेकर बोलीं थी ये बातें

इससे पहले पॉडकास्ट में जब शहनाज गिल से उनके और राघव के रिश्ते पर सवाल पूछा था तो उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात करने के लिए साफ़ मना कर दिया था। इसके बाद शहनाज गिल ने उन्हें अपना बहुत अच्छा दोस्त बताया है।

'मिर्जापुरः द फिल्म' को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोलीं-

'गोलू गुप्ता का सफर मेरे करियर का सबसे खास अनुभव'

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुरः द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी।

फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।'' उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी।

दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।'' फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है। श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई दर्द झेले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बनाने की कोशिश की।

यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ सारनाथ उत्तर प्रदेश को मिला चौथा विश्व धरोहर स्थल

एजेंसी

वाराणसी, 26 जुलाई (हि.स.)। लगभग 28 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार शाम इस ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा की गई। इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वां तथा उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है। इस उपलब्धि से बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में शामिल सारनाथ को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। साथ ही, उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के मानचित्र पर नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सारनाथ को 3 जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव (संभावित) सूची में शामिल किया गया था। लगभग 28 वर्षों बाद मिली यह मान्यता उत्तर प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखती है। अब तक राज्य के तीन विश्व धरोहर स्थल–ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी–आगरा मंडल तक सीमित थे। सारनाथ के शामिल होने से प्रदेश की विश्व धरोहर पहचान पूर्वांचल तक विस्तृत हो गई है और राज्य की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक मान्यता मिली है।

चौखंडी स्तूप और पुरातात्विक अवशेषों को मिली मान्यता

यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त इस विश्व धरोहर संपत्ति में चौखंडी स्तूप तथा सारनाथ का पुरातात्विक परिसर शामिल है। दोनों स्थल एक-दूसरे से लगभग 626 मीटर की दूरी पर स्थित हैं। चौखंडी स्तूप भगवान बुद्ध और उनके पांच प्रथम शिष्यों के मिलन का प्रतीक माना जाता है, जबकि पुरातात्विक परिसर में धामेक स्तूप, धर्मराजिका स्तूप, प्राचीन विहारों के अवशेष और अशोक स्तंभ जैसे महत्वपूर्ण स्मारक शामिल हैं। ये स्मारक सारनाथ के विश्व के प्रमुख बौद्ध आस्था एवं ज्ञान केंद्र के रूप में हुए ऐतिहासिक विकास की गवाही देते हैं।

बौद्ध धर्म में सारनाथ का विशेष महत्व

सारनाथ वही पावन स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना प्रथम उपदेश देकर 'धर्मचक्र प्रवर्तन' की शुरूआत की थी। प्राचीन बौद्ध ग्रंथों में इसका उल्लेख 'ऋषिपत्तन' के नाम से मिलता है। यहीं भगवान बुद्ध ने अपने प्रथम पांच शिष्यों को धर्म का उपदेश देकर करुणा, शांति और मध्यम मार्ग का संदेश मानवता को दिया था।

करीब 2600 वर्षों से सारनाथ बौद्ध आस्था, तीर्थ परंपरा, मठ जीवन, प्राचीन स्थापत्य और समृद्ध कला विरासत का प्रमुख केंद्र रहा है। यूनेस्को की यह मान्यता इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान करेगी।

'28 वर्षों की प्रतीक्षा का ऐतिहासिक परिणाम'

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रदेश की बहुआयामी सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने सभी आस्था एवं विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास को समान प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि 28 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद सारनाथ को मिला यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को नई वैश्विक पहचान मिलेगी और प्रदेश का शांति, आध्यात्मिकता एवं सांस्कृतिक समावेश का संदेश दुनिया तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा।

'सारनाथ की पहचान केवल स्मारकों तक सीमित नहीं'

सारनाथ के यूनेस्को नामांकन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संरक्षण वास्तु विशेषज्ञ आभा नारायण लांबा ने कहा कि सारनाथ की पहचान केवल इसके स्मारकों तक सीमित नहीं है। यह वह पवित्र स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने प्रथम धर्मदेशना दी, बौद्ध संघ की स्थापना हुई और बौद्ध स्थापत्य की प्रारंभिक परंपराओं का विकास हुआ। उन्होंने कहा कि लगभग ढाई हजार वर्षों से यहां जीवित बौद्ध तीर्थ परंपरा इस स्थल को विशिष्ट सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का दर्जा प्रदान करती है।

'पर्यटन को मिलेगा नया आयाम'

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने इसे उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह प्रदेश के पर्यटन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2025 में लखनऊ को यूनेस्को की 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' की मान्यता मिलने के बाद अब सारनाथ को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाना प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त करेगा। इससे विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने, उनके प्रवास की अवधि में वृद्धि होने तथा उत्तर प्रदेश के व्यापक बौद्ध सर्किट को वैश्विक स्तर पर नई गति मिलने की संभावना है।

कारगिल विजय दिवसः श्री काशी विश्वनाथ धाम में सेना के शौर्य को युवाओं ने किया नमन

वाराणसी : कारगिल विजय दिवस की वर्षगांठ पर रविवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में नमामि गंगे के तत्वावधान में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर देश की सुरक्षा एवं समृद्धि के साथ वीर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना भी की गई। कार्यक्रम के दौरान बाबा विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार एवं भारत माता की प्रतिमा के समक्ष उपस्थित लोगों ने भारतीय सेना के शौर्यवीरों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों और विषम परिस्थितियों में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों का सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं गंगा सेवक राजेश शुक्ला ने कहा कि कारगिल विजय दिवस वर्ष 1999 में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध प्राप्त ऐतिहासिक विजय की गौरवगाथा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल का युद्ध अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में लड़ा गया, जहां भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस, अनुशासन और पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मन को परास्त किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जवानों ने घुसपैठ कर कब्जा किए गए दुर्गम शिखरों पर पुनः तिरंगा फहराकर देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की। कार्यक्रम में नीरज सिंह, सौरभ पाण्डेय, शशिभूषण पाण्डेय, अर्जुन सिंह, नमन पाण्डेय, गोलू यादव, अंकित यादव, शुभम गुप्ता, राकेश कुमार, भावेश आदि ने भागीदारी की।

अमरनाथ यात्राः 19वें जत्थे में 4,474 तीर्थयात्री जम्मू से बालटाल के लिए रवाना

जम्मू : श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 4,474 तीर्थयात्रियों का 19वां जत्था कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार जत्था सुबह 2:42 बजे 166 वाहनों में रवाना हुआ जिनमें 93 बसें, 26 मिनी-बसें और 47 हल्के मोटर वाहन शामिल थे। पहलगाम रूट के लिए कोई जत्था नहीं भेजा गया। इस जत्थे में 3,531 पुरुष, 785 महिलाएं, 96 साधु, 51 साध्वियां, 10 बच्चे और एक ट्रांसजेंडर तीर्थयात्री शामिल है। लगातार बारिश के कारण एनएच-44 पर कई संवेदनशील जगहों पर भू-स्खलन, कीचड़ खिसकने और पत्थर गिरने की घटनाओं के बाद यात्रा छह दिनों तक रुकी रही। और जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग भी तीन दिन बंद रहा। शुक्रवार को सड़क को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया जिससे शनिवार को यात्रा फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। बालटाल बेस कैंप तक तीर्थयात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इस काफिले को ले जाया गया है।

मनाली के मझाच नाले के तेज बहाव में बहे ट्रैकर का शव बरामद, व्यास नदी के किनारे मिला

कुल्लू : जिला पुलिस कुल्लू के अंतर्गत थाना मनाली क्षेत्र से एक दुखद घटना सामने आई है। ट्रैकिंग के दौरान मझाच नाले को पार करते समय अचानक तेज बहाव की चपेट में आए ट्रैकर का शव घटना के रविवार को व्यास नदी के किनारे से बरामद कर लिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 जुलाई की दोपहर को 10 ट्रैकर्स का एक दल शनाग और मझाच क्षेत्र से ऊपर पहाड़ी की ओर ट्रैकिंग के लिए गया था। ट्रैकिंग के बाद वापस लौटते समय दल के टीम लीडर धनंजय वर्मा पुत्र राजेश वर्मा, निवासी उधमपुर, जम्मू मझाच नाले को पार कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक नाले के तेज बहाव की चपेट में आ गए और बह गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना मनाली से पुलिस टीम तुरंत मौके के लिए रवाना हुई। इसके साथ ही सोलंगनाला में तैनात एसडीआरएफ की टीम को खोज एवं बचाव कार्य के लिए बुलाया गया। रात के समय एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ओर संयुक्त टीमों द्वारा पूरी रात लगातार सर्च एवं रेस्क्यू अभियान चलाया गया। डीएसपी क्षमादत शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह वशिष्ठ के समीप व्यास नदी के किनारे उक्त युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान उसके भाई कनव वर्मा द्वारा की गई। इसके बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों की मदद से शव को व्यास नदी से सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस ने नियमानुसार आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है।

चीन में चक्रवात 'नौल' की ग्वांगडोंग प्रांत में दस्तक, रेड अलर्ट जारी

बीजिंग : चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार सुबह चक्रवात नौल के दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में दस्तक देने के बाद रेड अलर्ट जारी किया। चक्रवात के केंद्र के पास हवा की अधिकतम तीव्रता 14 रही। केंद्र के अनुसार, सुबह नौल कमजोर होकर सामान्य चक्रवात में बदल गया। चीन में चक्रवात के लिए चारस्तरीय, रंग-कोडित मौसम चेतावनी प्रणाली है। रेड कलर(लाल रंग) गंभीर चेतावनी को दर्शाता है। इसके बाद ऑरेंज कलर (नारंगी रंग), येलो कलर (पीला रंग) और ब्ल्यू कलर (नीला रंग) आता है। शिन्हुआ और बीजिंग डेली की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार सुबह बारिश के लिए रेड अलर्ट और अन्य स्थिति (गंभीर संवहनी मौसम) के लिए येलो अलर्ट जारी किया। केंद्र ने येलो अलर्ट जारी करते हुए अचानक बाढ़ और भू-स्खलन जैसी आपदाओं की रोकथाम और उनसे निपटने के प्रयासों को मजबूत करने का आह्वान किया। इससे पहले शनिवार को राज्य बाढ़ नियंत्रण और सूखा राहत मुख्यालय ने ग्वांगडोंग प्रांत में बाढ़ और चक्रवात पर नियंत्रण के लिए अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया को बढ़ाकर तीसरे स्तर पर कर दिया था। वहीं, जियांग्शी और हुनान प्रांतों बाढ़ से निपटने के लिए चौथे स्तर की आपात प्रतिक्रिया शुरू की। केंद्र ने बताया कि शनिवार देर रात चक्रवात का केंद्र गुआंगदोंग के हुइझोउ शहर में हुइदोंग काउंटी से करीब 100 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में समुद्र में था। केंद्र ने अनुमान जताया कि नौल करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा तथा इस दौरान और शक्तिशाली होगा।तट से टकराने के बाद चक्रवात के उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और धीरे-धीरे कमजोर पड़ने की संभावना है। हांगकांग में मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शनिवार को 410 से अधिक उड़ानें और 150 तेज रफ्तार रेल सेवाएं रद्द कर दी गईं। गृह विभाग ने संभावित चक्रवात को देखते हुए 28 आश्रय स्थल भी खोले।

शिमला में अब नजर नहीं आएगा तारों का जाल, जमीन के नीचे उतर रहा पूरा नेटवर्क

शिमला : कुछ समय बाद खूबसूरत हिल स्टेशनल शिमला के मालरोड, लोअर बाजार और आसपास के इलाकों में नजर उठाने पर बिजली, इंटरनेट और अन्य केबल की तारों का उलझा जाल दिखाई नहीं देगा। शहर को आधुनिक और व्यवस्थित बनाने की दिशा में चल रही 146 करोड़ रुपये की अंडरग्राउंड यूटिलिटी डक्ट परियोजना ने बड़ा पड़ाव पार कर लिया है। मुख्यमंत्री के सरकारी आवास ओकओवर से लोक भवन तक डक्ट निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और इस हिस्से में अब बिजली, पानी तथा अन्य केबल बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। छोटा शिमला से चौड़ा मैदान के विली पार्क (सर्किट हाउस) तक चल रहे डक्ट निर्माण और खोदाई के काम को मॉल रोड से सटी लिफ्ट के पास बारिश और भूस्खलन के खतरे के कारण फिलहाल रोक दिया गया है। मौसम साफ होने के बाद आगे का निर्माण फिर शुरू होगा।

दो किलोमीटर डक्ट तैयार, बरसात थमने का इंतजार

परियोजना के तहत छोटा शिमला से विली पार्क तक बिजली, पानी, इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क की लाइनें भूमिगत की जा रही हैं। अभी तक छोटा शिमला से खेल परिसर तक करीब दो किलोमीटर डक्ट का निर्माण पूरा हो चुका है। चार्ली विला तक का काम पहले ही पूरा किया जा चुका था और अब खेल परिसर तक डक्ट निर्माण के साथ बिजली, टेलीफोन और पानी की लाइनें बिछाई जा रही हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार 30 जुलाई तक छोटा शिमला से खेल परिसर तक खंभों पर लटके तारों को भूमिगत करने का लक्ष्य रखा गया है। स्ट्रीट लाइट के लिए नए आकर्षक पोल भी लगाए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग डिवीजन-3 के अधिशासी अभियंता प्रवीण वर्मा और सहायक अभियंता हेमराज वर्मा ने बताया कि बारिश के मौसम में खोदाई से भूस्खलन का खतरा रहता है। इसी कारण खेल परिसर तक बचा हुआ डक्ट कार्य पूरा होने के बाद बाकी निर्माण फिलहाल रोक दिया गया है।

पर्यटकों को मिलेगा खुला नजारा, खंभों से भी मिलेगी राहत

मालरोड, सीटीओ चौक, एजी कार्यालय और विधानसभा होते हुए विली पार्क तक मल्टी यूटिलिटी डक्ट बनाई जा रही है। लोअर बाजार में भी बिजली, पानी, इंटरनेट और मोबाइल केबल के लिए अलग-अलग पाइप बिछाई जाएंगी। सभी सेवाओं के कनेक्शन इन्हीं डक्ट के जरिए दिए जाएंगे। परियोजना पूरी होने के बाद इन इलाकों से बिजली और संचार के खंभे हट जाएंगे और शहर का स्वरूप पहले से अधिक साफ और आकर्षक नजर आएगा। इसका सबसे बड़ा लाभ उन पर्यटकों को भी मिलेगा, जो हर साल शिमला की ऐतिहासिक इमारतों और मालरोड की खूबसूरती देखने पहुंचते हैं। खुले आसमान के बीच बिना लटके तारों वाला नजारा शहर की प्राकृतिक और विरासत वाली पहचान को और निखारेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज निवाड़ी जिले को देंगे विकास कार्यों की सौगात

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज रविवार को निमाड़ी जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे निवाड़ीवासियों को 193 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों की सौगात देंगे। जिला प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवाड़ी जिले में संयुक्त कार्यालय कलेक्ट्रेट भवन के लोकार्पण सहित अधोसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लगभग 193 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कुल 59 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवाड़ी में 46 राजस्व स्टॉफ आवास एवं पृथ्वीपुर में 29 राजस्व स्टॉफ आवासों का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री जिला चिकित्सालय निवाड़ी के 100 बिस्तरीय भवन उन्नयन, ग्राम जेवरा ब्लॉक पृथ्वीपुर में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, ब्लॉक पृथ्वीपुर में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य भवन, ग्राम सेंदरी ब्लॉक निवाड़ी में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन एवं संजीवनी क्लिनिक का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक निर्माण विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यों का भी लोकार्पण करेंगे।

भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक निर्माण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुष, उच्च शिक्षा, कौशल विकास, स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत होने वाले विकास कार्यों का भूमि-पूजन भी करेंगे।

असम में बाढ़ से 10 जिलों की 6,54,838 आबादी प्रभावित, चार और शव मिले

गुवाहाटी : असम में आई बाढ़ का पानी अब धीरे-धीरे उतरने लगा है। बावजूद उसके ऊपरी असम में अभी भी हालात बेहद गंभीर हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 25 जुलाई को जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में चार और लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस तरह राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या 66 हो गई है। असम में खतरे के निशान से ऊपर बहने वाली नदियों में दिखौ (शिवसागर) और धनसिरी (नुमलीगढ़) शामिल हैं। असम कैबिनेट की बैठक में शनिवार रात बाढ़ से निपटने के लिए राहत कार्य में तेजी लाने एवं नुकसान का आकलन करने के कार्य को तेज करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के निर्देश पर युद्ध स्तर पर सभी तरह के उपाय किए जा रहे हैं। साथ ही राज्य के मंत्री एवं विधायक प्रभावित इलाकों में जाकर राहत कार्यों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। बाढ़ से वर्तमान समय में कुल 10 जिले प्रभावित हुए हैं। इनमें गोलाघाट, चराईदेव, कामरूप, होजाई, डिब्रूगढ़, शिवसागर, जोरहाट, शोणितपुर, कामरूप (मेट्रो) एवं नगांव जिला शामिल हैं। बाढ़ से 10 जिलों के 28 राजस्व मंडलों के कुल 810 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 6,54,838 आबादी एवं 34,970 .8 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए कुल 90 राहत शिविर एवं 184 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 274 शिविर स्थापित किए हैं। राहत शिविरों में 18,902 लोग आश्रय लिए हुए हैं। जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 1,23,114 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। बाढ़ के पानी से 25 जुलाई को बरामद शवों की संख्या चार दर्ज हुई, जिसमें चराईदेव में एक और शिवसागर में तीन शव बरामद हुए।

हिमाचल प्रदेश में 28 से 31 जुलाई तक बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में मॉनसून 28 जुलाई से एक बार फिर जोर पकड़ने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 28, 29, 30 और 31 जुलाई के लिए प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार आज और कल 27 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का येलो अलर्ट है। इसके बाद 28 से 31 जुलाई तक कई क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा का दौर चलने का अनुमान है। एक अगस्त को भी प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। शनिवार सुबह शिमला सहित प्रदेश के कई इलाकों में बादल छाए रहे और सुबह से ही बारिश के आसार बने हुए हैं। मौसम विभाग ने लोगों से अनावश्यक यात्रा नहीं करने, नदी, नालों, खड्डों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि लगातार बारिश के दौरान पहाड़ी मार्गों पर सफर करने से पहले मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी अवश्य लें तथा प्रशासन की ओर से जारी सभी निदेर्शों का पालन करें। सुंदरनगर में सबसे अधिक 65.2 मिलीमीटर बारिश, कई इलाकों में

गरज के साथ चमकी बिजली बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 65.2 मिलीमीटर वर्षा मंडी जिले के सुंदरनगर में रिकॉर्ड की गई। इसके बाद बिलासपुर जिले के मलरांव में 55.0 मिलीमीटर, कुल्लू के कसोल में 48.0 मिलीमीटर, शिमला के जुब्बड़हट्टी में 47.6 मिलीमीटर, बिलासपुर के बरठीं में 42.2 मिलीमीटर, शिमला के रामपुर में 40.2 मिलीमीटर, चंबा के जोत में 36.2 मिलीमीटर, शिमला के सराहन में 32.7 मिलीमीटर, मंडी के कटौला में 32.1 मिलीमीटर, मंडी की मुरारी देवी में 26.0 मिलीमीटर, बिलासपुर के काहू में 22.8 मिलीमीटर, सोलन के कसौली में 22.0 मिलीमीटर, बिलासपुर के आरएल बीबीएमबी में 22.0 मिलीमीटर और बिलासपुर के ओलिंडा में 22.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस दौरान शिमला, जुब्बड़हट्टी, सुंदरनगर, मुरारी देवी और कांगड़ा में गरज के साथ बिजली चमकने की घटनाएं भी दर्ज की गईं। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और सक्रिय मॉनसूनी ट्रफ के प्रभाव से प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक वर्षा की गतिविधियां बनी रहेंगी।

भूस्खलन से 134 सड़कें बंद, बिजली और पेयजल सेवाएं भी प्रभावित

लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 134 सड़कें बंद हैं। इनमें सबसे अधिक 58 सड़कें मंडी जिले में, 33 कुल्लू में और 14 चंबा जिले में बंद हैं।

सराफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

– एक सप्ताह में 10 हजार रुपये तक महंगी हो गई चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना 560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 610 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज शुरूआती कारोबार के दौरान 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती नजर आ रही है। भाव में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो लगातार उठापटक होने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में उछाल आया है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई। चांदी भी उतार-चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। इस तेजी के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,32,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पीओके भारत का अभिन्न अंग, पाकिस्तान से वार्ता हुई तो सिर्फ यही मुद्दा उठाया जाएगा: राजनाथ सिंह

एजेंसी

द्रास : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा। सिंह ने यह घोषणा द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर कारगिल विजय दिवस समारोह के संबोधन में की। रक्षामंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ भविष्य में कोई भी बातचीत केवल पीओके के मुद्दे पर होगी। पीओके भारत का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपनी राज्य नीति के हिस्से के रूप में आतंकवाद को संस्थागत रूप दिया है और उसके सैन्य प्रतिष्ठान और आतंकवादी संगठनों के बीच कोई अंतर नहीं है। सिंह ने कहा कि भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवादियों और उनके समर्थकों को कड़ा जवाब दिया है कि भारत किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का और भी अधिक बल के साथ जवाब देने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता को खतरे में डालने की हर कोशिश का हमारे सशस्त्र बल मुंहतोड़ जवाब देंगे। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान शहीद होने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए रक्षामंत्री ने इस संघर्ष को न केवल एक सैन्य और कूटनीतिक जीत बताया बल्कि एक ऐसा निर्णायक क्षण भी बताया जिसने दुनिया के सामने भारतीय सैनिकों के साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध स्मारक पर अंकित शहीदों के नाम देश के हर क्षेत्र, धर्म और समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं जो भारत की एकता को दर्शाते हैं और देश को बांटने की कोशिश करने वालों को एक कड़ा संदेश देते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच तुलना करते हुए सिंह ने कहा कि भारत नवाचार, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और अंतरिक्ष अन्वेषण के माध्यम से प्रगति कर रहा है जबकि पाकिस्तान आतंकवाद, कट्टरपंथ और सीमा पार घुसपैठ को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप, उपग्रह और डिजिटल बुनियादी ढांचा बना रहा है जबकि पाकिस्तान आतंकवाद और छद्म युद्ध को बढ़ावा दे रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

मां काली मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना

संवाददाता : शनिवार को आर ई कॉलोनी स्थित काली के मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना शनिवार के दिन मां काली मंदिर में मंदिर के पुजारी नीलमोहन मुखर्जी के द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई और भक्तजनों तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया यूं तो प्रतिदिन मां काली के मंदिर में भक्त जनों और श्रद्धालुओं के भीड़ लगती है किंतु विशेष कर मंगल और शनिवार को विशेष पूजा अर्चना मंदिर के पुजारी के द्वारा की जाती है और लोगों की उपस्थिति काफी संख्या में होती है लोग मां के दर्शन करते हैं और आत्म विभोर होते हैं

टाटीझरिया थाना परिसर में आयोजित थाना दिवस में निपटे तीन मामले

टाटीझरिया : टाटीझरिया थाना परिसर में शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचलाधिकारी अमित कुमार झा एवं थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। थाना दिवस के दौरान अंचल क्षेत्र से आए भूमि विवाद से जुड़े कुल तीन मामलों की सुनवाई की गई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और राजस्व अभिलेखों की जांच के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में तीनों मामलों का निष्पादन किया गया। निपटाए गए मामलों में दो मामले बेरहो गांव से और एक मामला खंभवा गांव से संबंधित था। मौके पर अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी ने कहा कि थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता को त्वरित न्याय दिलाना और भूमि विवादों को आपसी सहमति से सुलझाना है, ताकि ग्रामीण कोर्ट-कचहरी के लंबे चक्करों से बच सकें। उन्होंने लोगों से अपील की कि छोटे-मोटे विवादों को आपसी बातचीत और भाईचारे से सुलझाएं, जिससे समाज में शांति बनी रहे।

रांची एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट तकनीकी खराबी से ग्राउंडेड, सभी यात्री सुरक्षित

रांची : बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर शनिवार रात भुवनेश्वर से आई इंडिगो की एक फ्लाइट तकनीकी खराबी आने के बाद ग्राउंडेड कर दी गई। विमान शाम करीब छह बजे सुरक्षित रूप से रांची पहुंचा था। फ्लाइट में करीब 70 यात्री सवार थे, जिन्हें सुरक्षित उतार लिया गया।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, विमान की रूटीन तकनीकी जांच के दौरान उसमें तकनीकी खराबी पाई गई। इसी बीच भुवनेश्वर जाने वाले यात्री विमान में सवार हो चुके थे, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद उन्हें खराबी की जानकारी दी गई और सुरक्षा के मद्देनजर सभी यात्रियों को विमान से उतार दिया गया।

यात्रियों की सुविधा के लिए रांची-कोलकाता फ्लाइट रद्द कर उसमें जाने वाले यात्रियों को भुवनेश्वर भेजा गया।

एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद नियमित जांच में तकनीकी कमी सामने आई। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एहतियातन फ्लाइट को ग्राउंडेड घोषित कर दिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

रामगढ़ में भरठुवा बंदूक से चली गोली, बुजुर्ग की मौत, आत्महत्या की आशंका

मेदिनीनगर : जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में भरठुवा बंदूक से गोली लगने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई।मृतक की पहचान नावाडीह हूटार निवासी श्यामलाल भुइयां के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि श्यामलाल भुइयां ने भरठुवा बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हालांकि घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है।

जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 10 बजे रामगढ़ थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति को गोली लग गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल श्याम लाल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बंदूक दो भागों में बंट गया।

रामगढ़ थाना प्रभारी ओम प्रकाश शाह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आत्महत्या और अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। फिलहाल घटना के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही घटना के संबंध में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

डूरंड कप के सफल आयोजन को लेकर अधिकारियों ने की बैठक

रांची : डूरंड कप 2026 के सुरक्षित और सफल आयोजन को लेकर रविवार को मोरहाबादी फुटबॉल स्टेडियम में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें रांची के उपायुक्त ऊ्र मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी ररढ राकेश रंजन ने सभी अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि डूरंड कप देश का बड़ा फुटबॉल टूनार्मेंट है और रांची को इसकी मेजबानी का मौका मिला है। इसलिए सभी अधिकारी अपनी ड्यूटी पूरी जिम्मेदारी से करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी तय समय से पहले अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंचें और वहां की सभी तैयारियां जांच लें। अगर कहीं कोई दिक्कत हो तो तुरंत कंट्रोल रूम या वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दें।

उन्होंने अधिकारियों को स्टेडियम के गेट, खिलाड़ियों के आने-जाने के रास्ते, वीआईपी श्क्ढ एरिया, पार्किंग और दर्शकों के बैठने की जगह पर खास नजर रखने को कहा। साथ ही भीड़ को संभालने, साफ-सफाई, पीने के पानी, शौचालय और लाइट जैसी सुविधाओं का भी ध्यान रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ऊ्र ने कहा कि स्टेडियम आने वाले सभी दर्शकों के साथ अच्छा और सहयोगपूर्ण व्यवहार किया जाए। किसी भी विवाद या अफवाह की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाए। एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि मैच के दौरान सुरक्षा सबसे अहम होगी। सभी पुलिसकर्मी अपने ड्यूटी स्थल पर मौजूद रहें और बिना अनुमति वहां से न जाएं। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में आने वाले हर दर्शक की जांच की जाए और किसी भी प्रतिबंधित सामान को अंदर न जाने दिया जाए। उन्होंने खिलाड़ियों, वीआईपी मेहमानों, ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत कंट्रोल रूम को देने को कहा। बैठक में अधिकारियों को स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्लान, पार्किंग, दर्शकों की आवाजाही और आपात स्थिति से निपटने की पूरी जानकारी दी गई। इस दौरान जिला प्रशासन, पुलिस और भारतीय सेना के अधिकारी भी मौजूद रहे।

सरकारी अभिलेखों से इतिहास के पुनर्जागरण तक

हृदयानंद मिश्र

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल दिल्ली, कोलकाता, मुंबई या पटना की कहानी नहीं है। यह उन छोटे-छोटे गांवों और कस्बों का भी इतिहास है, जहाँ असंख्य गुमनाम स्त्री-पुरुषों ने अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्र की स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। पलामू की धरती भी ऐसे ही वीरों की तपोभूमि रही है।

दुर्भाग्य यह है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के दशको

जब सरकारी अभिलेख बोलते हैं: पलामू के भूले-बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों को न्याय देने का समय

किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं होती, बल्कि इस बात से भी होती है कि वह अपने इतिहास और अपने नायकों को कितना सम्मान देता है। दुर्भाग्य से भारत के अनेक जिलों में स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे असंख्य सेनानी हैं, जिनका योगदान सरकारी अभिलेखों तक सीमित होकर रह गया है।

पलामू भी इसका अपवाद नहीं है। यहाँ के अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने जेल यात्राएँ कीं, अंग्रेजी शासन का विरोध किया और अपने जीवन का सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया। लेकिन समय के साथ उनके नाम सार्वजनिक स्मृति से ओझल होते चले गए।

ऐसे में जिला प्रशासन के अभिलेखों से सूचीबद्ध स्वतंत्रता सेनानियों की प्रमाणिक सूची उपलब्ध होना एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन नामों को केवल सरकारी रिकॉर्ड का हिस्सा न रहने दिया जाए, बल्कि उनके जीवन और योगदान को शोध, लेखन, पाठ्य सामग्री और जनचर्चा का विषय बनाया जाए।

इतिहास केवल अतीत का लेखा-जोखा नहीं होता; वह समाज के चरित्र का दर्पण भी होता है। जो समाज अपने नायकों को भूल जाता है, वह अपनी आने वाली पीढ़ियों से प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत छीन लेता है।

पलामू के स्वतंत्रता सेनानियों पर तैयार किया जा रहा शोधग्रंथ इसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है। यह केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि उन गुमनाम राष्ट्रनायकों के प्रति कृतज्ञता का दस्तावेज होगा, जिनकी बदौलत आज हम स्वतंत्र भारत में साँस ले रहे हैं।

लेखक हृदयानंद मिश्र एडवोकेट, स्वतंत्र पत्रकार एवं सामाजिक चिंतक।

चंद्रशेखर आजाद चौक पर 'पं. राम निवास तिवारी मार्ग' का हुआ नामकरण

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : शहर के ऐतिहासिक चंद्रशेखर आजाद चौक (रेड़मा चौक)पर शनिवार को 'पं.राम निवास तिवारी मार्ग' का विधिवत नामकरण एवं उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी मेयर मनोज कुमार सिंह ने शिलापट्ट का अनावरण कर मार्ग का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर डिप्टी मेयर मनोज कुमार सिंह ने कहा कि अपने पूर्वजों की विरासत, उनके आदर्शों और समाज के प्रति उनके योगदान को जीवंत बनाए रखना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।उन्होंने कहा कि समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों के नाम पर सार्वजनिक स्थलों का नामकरण नई पीढ़ी को प्रेरणा देने का सशक्त माध्यम है।

मार्ग नामकरण समारोह में पूर्व वार्ड आयुक्त रवि शंकर गुप्ता,मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष विजय तिवारी,भाजपा नेता अखिलेश तिवारी,सामाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी,ओम प्रकाश तिवारी, अरविंद तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता पिंकू तिवारी, मंटू दूबे,सोनू तिवारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने पं. राम निवास तिवारी के सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

संगठन की मजबूत पर हुई चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के केंद्रीय कार्यालय बाकुड़ी मे जिला महामंत्री मोहम्मद इमाम विश्वास की अध्यक्षता में बैठक हुई।बैठक मे केंद्रीय महामंत्री राजकुमार व केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी मुख्य रूप से मौजूद थे।बैठक मे संगठन कैसे मजबूत हो इस पर विशेष रूप से चर्चा किया गया।जिला महामंत्री इमाम विश्वास ने कहा कि जिला अध्यक्ष का पुनर्गठन होना है इसके लिए सात प्रखंड अध्यक्ष की मौजूद होना अनिवार्य है जबकि बैठक में मात्र तीन प्रखंड अध्यक्ष ही मौजूद रहे,ऐसी स्थिति में जिला अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सकता है।वही बैठक मे निर्णय लिया गया कि केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव के नेतृत्व मे 2 अगस्त को पाकुड़ और 3 अगस्त को गोड्डा मे जिला कमेटी की बैठक होगी।वही अगले माह अगस्त में न्यूनतम वेतनमान की गारंटी नियुक्ति पत्र 8 घंटे का काम समान काम समान वेतन सहित मजदूरों की कई मांगों को लेकर केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव के नेतृत्व मे रांची मे राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेंगे। जबकि निर्णय लिया गया कि जिला कार्यालय के साथ सभी प्रखंड स्तर में भी प्रखंड कमेटी के द्वारा 15 अगस्त को झंडोतोलन किया जायेगा।मौके पर बबलू भगत,मोहम्मद सैयद अख्तर,अंसार खान,मोहम्मद सद्दाम अंसारी,गणेश ठाकुर,पोलुस गुरु जी टुडू मार्कश मुर्मू,इकरामुल अली,मोहम्मद निजामुद्दीन,मुजफ्फर शेख,मुर्तजा अली,दिलदार अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

एयरपोर्ट से चलने वाले ऑटो चालकों ने की बैठक

संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ की ओर से रविवार (26 जुलाई 2026) को रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डा परिसर में महासंघ के पदाधिकारियों एवं एयरपोर्ट से परिचालन करने वाले ऑटो चालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एयरपोर्ट से परिचालन करने वाले कुछ प्राइवेट वाहनों और ऑटो चालकों के बीच बाहरी-भीतरी (लोकल एवं बाहरी) विवाद को लेकर उत्पन्न हो रहे तनाव पर गंभीर चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यदि समय रहते दोनों पक्ष आपसी सहमति और समन्वय बनाकर परिचालन नहीं करते हैं, तो स्थिति मारपीट और कानून-व्यवस्था की समस्या तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि महासंघ चाहता है कि सभी चालक आपसी समझदारी और सहमति के साथ कार्य करें, ताकि किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो।

महासंघ के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनती है, तो झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ अपने स्तर से आवश्यक कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। इसी मुद्दे पर आगे की रणनीति तय करने के लिए 28 जुलाई 2026 को सुबह 11:00 बजे ऑटो चालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में आगे की कार्रवाई और आंदोलन सहित अन्य विषयों पर निर्णय लिया जाएगा। बैठक में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी, प्रदेश सचिव तबरेज अहमद, सदस्य महेश सिंह, नवल राय, सनोज कुमार, मनोज गोदली, किशोर यादव, प्रभु यादव, हरेंद्र यादव, शंकर यादव, जनार्दन यादव, दिनकल लाल यादव एवं कुंदन कुमार सहित अन्य ऑटो चालक उपस्थित थे। बैठक की जानकारी झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश सचिव तबरेज अहमद ने दी।

पूर्व अंचल अधिकारी चल रहे विभागीय दंडात्मक कार्रवाई किया गया रद्द

रांची : झारखंड सरकार ने झारखंड प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों को बड़ी राहत देते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पूर्व आप्त सचिव रहे संजीव कुमार लाल का निलंबन समाप्त कर उन्हें सेवा में बहाल कर दिया गया है। वहीं, पूर्व अंचल अधिकारी जितेन्द्र मुण्डा के खिलाफ वर्षों से चल रही विभागीय दंडात्मक कार्रवाई भी उच्च न्यायालय के आदेश के बाद रद्द कर दी गई है। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव रहे झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजीव कुमार लाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 7 मई 2024 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत रिमांड पर लिया गया, जिसके बाद राज्य सरकार ने 10 मई 2024 से उन्हें निलंबित कर दिया था।

अब जारी आदेश के अनुसार, 15 मई 2026 के प्रभाव से उनका निलंबन समाप्त कर दिया गया है। सरकार ने उन्हें कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग में योगदान देने का निर्देश दिया है। हालांकि, निलंबन अवधि के विनियमन और उससे जुड़े अन्य मामलों पर अंतिम निर्णय ईडी के मुख्य मामले के न्यायिक परिणाम के आधार पर अलग से लिया जाएगा।

जितेन्द्र मुण्डा को भी मिली राहत

दूसरे मामले में चान्हो (रांची) के तत्कालीन अंचल अधिकारी जितेन्द्र मुण्डा के खिलाफ वर्ष 2012 में विभागीय कार्रवाई करते हुए उनकी दो वेतनवृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोक दी गई थीं। उन पर आरोप था कि उन्होंने एक एसएआर अपील वाद में स्थगन आदेश की अवहेलना करते हुए भूमि पर कब्जा दिलाने में पद का दुरुपयोग किया था।

बाद में उनकी विभागीय अपील भी खारिज कर दी गई थी, जिसके खिलाफ उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। 11 मई 2023 को उच्च न्यायालय ने सरकार के दोनों आदेशों को निरस्त कर दिया। इसके बाद राज्य सरकार ने खंडपीठ में एलपीए दायर की, लेकिन 23 जून 2026 को खंडपीठ ने भी सरकार की अपील खारिज कर दी।

अदालत ने माना कि विभागीय कार्रवाई के दौरान प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का समुचित पालन नहीं किया गया था। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में अब कार्मिक विभाग ने जितेन्द्र मुण्डा के खिलाफ दो वेतनवृद्धि रोकने की सजा तथा उनकी अपील खारिज करने संबंधी पूर्व आदेशों को आधिकारिक रूप से निरस्त कर दिया है।

एक ही आदेश श्रृंखला में दो झारखंड प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को राहत मिलने के बाद प्रशासनिक महकमे में इस फैसले की व्यापक चर्चा है। संजीव कुमार लाल की सेवा में वापसी और जितेन्द्र मुण्डा के खिलाफ विभागीय दंड समाप्त किए जाने को सरकार का महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय माना जा रहा है।

हजारीबाग में एसआईआर फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई तक

हजारीबाग : जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और गणना प्रपत्र भरकर ऑनलाइन कराने का समय अब अंतिम चरण में है। इस प्रक्रिया को पूरा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।प्रशासन की ओर से किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटने न पाए, इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसी कड़ी में 27 और 28 जुलाई 2026 को हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में बूथ लेवल अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। 29 जुलाई 2026 तक फॉर्म भरकर ऑनलाइन कराना अनिवार्य है। 27 और 28 जुलाई को सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ करेंगे फॉर्म स्वीकार करेंगे। निर्धारित तिथि तक फॉर्म जमा न होने पर प्रारूप मतदाता सूची में नाम नहीं हो सकेगा प्रकाशित।नगर आयुक्त ने नगर निगम क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे इन विशेष शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना प्रपत्र जमा नहीं किया है, वे तुरंत अपने संबंधित मतदान केंद्र पर जाकर प्रक्रिया पूरी करें।

गौ सम्मान अभियान को लेकर बढ़ा जनसमर्थन

जमशेदपुर : गौ संरक्षण, गौ संवर्धन एवं गौ सम्मान के उद्देश्य से चलाए जा रहे गौ सम्मान अभियान को सफल बनाने के लिए जमशेदपुर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। समाज के विभिन्न वर्गों, धार्मिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं एवं आम नागरिकों का अभियान को लगातार समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में गायत्री शक्तिपीठ, गोलपहाड़ी, टाटानगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

पूरे देश में चले लोकतांत्रिक संघर्ष की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है : बरकतुल्लाह

संवाददाता

साहिबगंज : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जिला कांग्रेस कमिटी साहिबगंज द्वारा जिला अध्यक्ष श्री बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में एक भव्य विजय मार्च निकाला गया। यह विजय मार्च जिला कांग्रेस कार्यालय से प्रारंभ होकर स्टेशन चौक होते हुए महात्मा गांधी की प्रतिमा तक पहुँचा जहाँ इसका समापन हुआ।मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों कार्यकताओं युवाओं व छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार तथा छात्रों के भविष्य की सुरक्षा की मांग को लेकर गगन भेदी नारे लगाएमहात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष उपस्थित सभी कांग्रेसजनों ने पेपर लीक की घटनाओं के कारण अपनी जान गंवाने वाले बच्चों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री बरकतुल्लाह खान ने कहा कि केंद्रीय

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा छात्रों, युवाओं और पूरे देश में चले लोकतांत्रिक संघर्ष की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।उन्होंने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे की बात नहीं बल्कि देश के करोड़ों छात्रों की आवाज और लोकतांत्रिक जनदबाव की जीत है।उन्होंने कहा कि केवल इस्तीफा पर्याप्त नहीं है। पेपर लीक और उससे उत्पन्न परिस्थितियों के कारण जिन छात्रों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों को न्याय मिले। केंद्र सरकार प्रत्येक मृतक छात्र के परिजनों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करे। साथ ही पेपर लीक के दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई कर परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचारमुक्त बनाया जाए।कार्यक्रम में बासुकीनाथ यादव, कलीम उद्दीन सरफराज आलम, अनिल पांडे,हीरालाल शाहा,भोला नाथ महतो,परवेज आलम,मजहर खान, गफ्फार अली, ताबिश इकबाल, सनाउल्लाह अंसारी, नौशाद अहमद, उमेश कुमार पांडेय, अल्ताफ, तनवीर राजा, जमुना दास, मोहम्मद रियाज,सबदुल अंसारी, देवन्द्र ठाकुर,मोहम्मद अजीज अंसारी, औरंगजेब, कमाल,कज्जाफी मुर्शीद, अमित तिवारी, देवराज सिंह, अली कुरैशी, परवेज आलम, मोहम्मद रहीम,कैसर आलम, अजीत कुमार झा,मोहम्मद रियाज, मोहम्मद इकबाल, मंगल पासवान, देवेंद्र पासवान, गफ्फार अली, यूनिल हक सहित सैकड़ो